卐 श्री सदगुरू देवाय नम: 卐 卐 ओ३म् 卐 卐 जय माता दी 卐
卐 सीताराम बाबा जी 卐卐 जय बाबा की 卐卐 श्याम बाबा 卐 卐
卐 ! जाके सुमिरन तें रिपु नासा!! ! नाम सत्रुहन बेद प्रकासा!! 卐

उल्लंघ्य सिन्धो: सलिलं सलीलं,य:शोकवह्नि जनकात्मजाया: आदाय तेनैव ददाह लंकां,नमामि तं प्राञ्जलिराञ्जनेयम्
मनोजवं मारुत तुल्य वेगं,जितेन्द्रियं बुद्धिमतां वरिष्ठम् वातात्मजं वानरयूथ मुख्यं, श्रीराम दूतं शरणं प्रपद्ये

केन्द्र व उत्तरांचल सरकार से विज्ञापन मान्यता प्राप्त

हिन्दी सान्ध्य दैनिक

उत्तरांचल दर्पण

♦वर्ष 26 ♦अंक 5 ♦पृष्ठ 8 ♦रुद्रपुर(ऊधमसिंहनगर) ♦शनिवार ♦11 अक्टूबर 2025 ♦मूल्य दो रूपया

darpan.rdr@gmail.com 9897427585 UTTARANCHAL DARPAN www.uttaranchaldarpan.in

GAGNEJA PROPERTIES
CONTACT FOR SALE, PURCHASE RENT & LEASE
✔ Shops ✔ Houses
✔ Industrial Property
✔ Commercial Property
✔ Agriculture Land
REAL ESTATE WITHOUT THE HASSLE
MO.-8630672525,8279444462
ADD- SRA F69, Shop No.4, Adarsh Colony, Rudrapur

मोदी ने किसानों को दी सौगात

‘धन धान्य कृषि योजना’ शुरू, कृषि बुनियादी ढांचे को मिलेगा बढ़ावा

नई दिल्ली। देश के किसानों के लिए शनिवार का दिन ऐतिहासिक साबित हुआ, जब प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने कृषि क्षेत्र को नई ऊर्जा देने के उद्देश्य से लगभग 35,440 करोड़ रुपये की कई योजनाओं की सौगात दी। इनमें 24,000 करोड़ रुपये की ‘धन धान्य कृषि योजना’ की भी औपचारिक शुरुआत की गई। यह योजना किसानों की आय बढ़ाने, कृषि उत्पादन में विविधता लाने और आधुनिक कृषि पद्धतियों को अपनाने की दिशा में बड़ा कदम मानी जा रही है। प्रधानमंत्री मोदी ने नई दिल्ली स्थित भारतीय कृषि अनुसंधान संस्थान में आयोजित विशेष कृषि कार्यक्रम में भाग लिया। इस अवसर पर उन्होंने लोकनायक जयप्रकाश नारायण की जयंती पर उन्हें श्रद्धांजलि अर्पित की और कृषि क्षेत्र में किए जा रहे प्रयासों की जानकारी साझा की। प्रधानमंत्री ने कहा कि ‘धन धान्य कृषि योजना’ के तहत देश के 100 जिलों में कृषि सुधारों को गति दी जाएगी। योजना का मुख्य फोकस किसानों को कर्ज उपलब्ध कराना, सिंचाई सुविधाओं में सुधार, फसलों में विविधता और फसल प्रबंधन को आधुनिक बनाना है। इस मौके पर 11,440 करोड़ रुपये की लागत से एक छह वर्षीय दलहन आत्मनिर्भरता मिशन की भी शुरुआत की गई। इसका उद्देश्य देश को दालों के मामले में आत्मनिर्भर बनाना है। साथ ही, करीब 3,650 करोड़ रुपये (शेष पृष्ठ सात पर)

नैनीसैनी एयरपोर्ट से उड़ान भरेंगे 72 सीटर विमान

विस्तारीकरण क लिए मिली हरी झंडी

पिथौरागढ़। सीमांत जनपद पिथौरागढ़ वासियों को शीघ्र ही हवाई यातायात के क्षेत्र में बड़ी सौगात मिलने जा रही है। नैनीसैनी एयरपोर्ट को अब थ्री-सी श्रेणी में उच्चीकृत कर दिया गया है, जिससे यहां से 72 सीटर विमानों की उड़ान संभव हो सकेगी। भारतीय विमानपत्तन प्राधिकरण के प्रस्ताव को राज्य सरकार की सैद्धांतिक स्वीकृति मिल चुकी है। अब जिला प्रशासन विस्तारीकरण का विस्तृत प्रस्ताव तैयार कर शासन को भेजेगा। पूर्व में यह एयरपोर्ट टू-सी श्रेणी में था, जिसमें छोटे विमानों की उड़ान ही संभव थी। अब थ्री-सी श्रेणी में आने के बाद नैनीसैनी एयरपोर्ट से बड़े वाणिज्यिक विमान उड़ान भर सकेंगे, जिससे न केवल सीमांत क्षेत्र को देश के अन्य हिस्सों से जोड़ा जा सकेगा, बल्कि पर्यटन और व्यापार (शेष पृष्ठ सात पर)

चोरी की 7 बाइकों के साथ दो वाहन चोर गिरफ्तार

किच्छा(उद संवाददाता)। कोतवाली पुलिस ने मोटरसाइकिल चोरों के खिलाफ बड़ी कार्रवाई करते हुए सात मोटरसाइकिल बरामद की है तथा दो चोरों को गिरफ्तार किया है दो अन्य फरार बताए जा रहे हैं। वरिष्ठ उप निरीक्षक राजेंद्र प्रसाद मोनियाल ने बताया कि 1 अक्टूबर को राघव नगर के एक व्यक्ति द्वारा 112 पर मोटरसाइकिल चोरी की सूचना दी गई थी जिस पर मुकदमा दर्ज कर मोटर

साइकिलों की तलाश की जा रही थी उन्होंने अभी बताया कि वादी द्वारा खुद भी मोटरसाइकिल की तलाश की जा रही थी ।बीती रात्रि को मोटरसाइकिल स्वामी ने पुलिस को सूचना दी की उसकी मोटरसाइकिल दो संदिग्ध लोग चला कर ले जा रहे हैं जिन्हें हल्द्वानी रोड पर रोका गया । पुलिस द्वारा तुरंत कार्रवाई करते हुए मौके पर से दो लोगों को मय मोटरसाइकिल के गिरफ्तार कर लिया जिनसे पूछताछ के दौरान विभिन्न स्थानों से चुराई गई 6 अन्य मोटरसाइकिल में भी बरामद की गई । वरिष्ठ उप निरीक्षक राजेंद्र प्रसाद मोनियाल ने बताया कि मोटरसाइकिल शोरूम द्वारा किच्छा के आदर्श महाविद्यालय के नजदीक एक सुनसान जगह को चोरी की मोटरसाइकिल रखने का स्थान बनाया था। यह (शेष पृष्ठ सात पर)

विवादों में घिरी स्नातक स्तरीय परीक्षा रद्द

जांच आयोग की रिपोर्ट के बाद धामी सरकार ने लिया निर्णायक फैसला

देहरादून। उत्तराखंड अधीनस्थ सेवा चयन आयोग की 21 सितंबर को आयोजित स्नातक स्तरीय परीक्षा को राज्य सरकार ने रद्द कर दिया है। पेपर लीक की गंभीर शिकायतों के बाद गठित एकल सदस्यीय जांच आयोग की रिपोर्ट मिलने के तत्काल बाद सरकार ने यह अहम फैसला लिया। मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी ने कहा कि यह निर्णय अभ्यर्थियों के हित में लिया गया है ताकि परीक्षा की शुचिता और पारदर्शिता बनी रहे। उल्लेखनीय है कि 21 सितंबर को आयोजित इस परीक्षा में करीब 1.05

Hiring !!
We are hiring Nursery to **UKG Teacher in ELPS** Awas Vikas Rudrapur. Interested one can apply in school by -
Monday (13/10/2025) and present in school between 10am to 12pm!!
ELPS, Awas Vikas Rudrapur (U.S. Nagar)

लाख अभ्यर्थियों ने भाग लिया था। परीक्षा के दौरान हरिद्वार के एक परीक्षा केंद्र से प्रश्नपत्र के तीन पन्ने मोबाइल के माध्यम से लीक होकर सोशल मीडिया पर वायरल हो गए थे। इस घटना के बाद से ही परीक्षा की नैतिकता और वैधता पर सवाल उठने लगे थे। घटना के बाद प्रदेश भर में बेरोजगार संघ और युवाओं के नेतृत्व में विरोध प्रदर्शन शुरू हो गए। छात्रों की मांग थी कि परीक्षा को रद्द किया जाए और मामले की सीबीआई जांच हो। स्थिति की गंभीरता को देखते हुए मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी ने स्वयं प्रदर्शनकारियों से मुलाकात की और सीबीआई जांच की घोषणा की। इसके साथ ही सरकार ने सेवानिवृत्त न्यायमूर्ति यूसी ध्यानी की अध्यक्षता में एकल सदस्यीय जांच आयोग का गठन किया। साथ ही एसआईटी का भी गठन कर तकनीकी और प्रशासनिक पहलुओं की जांच शुरू कर दी गई। जांच आयोग ने देहरादून, हल्द्वानी सहित कई शहरों में जन संवाद आयोजित किए और हजारों अभ्यर्थियों व शिक्षकों से राय ली। अधिकांश ने परीक्षा को रद्द करने की मांग की। रिपोर्ट में इस बात की पुष्टि हुई कि परीक्षा की पारदर्शिता भंग हुई है और भविष्य में ऐसे मामलों से बचने के लिए प्रक्रिया में व्यापक सुधार की जरूरत है। आयोग ने आज रिपोर्ट सरकार को सौंप दी । जांच आयोग की अध्यक्षता सेवानिवृत्त न्यायमूर्ति यू.सी. ध्यानी कर रहे थे।आयोग ने देहरादून, हल्द्वानी और अन्य जिलों में आयोजित जन-सुनवाई और तकनीकी तथ्यों की पड़ताल के आधार पर रिपोर्ट में परीक्षा-प्रक्रिया में हुई गंभीर अनियमितताओं, सुरक्षा व्यवस्थाओं की चूक और संभावित संगठित साजिश के संकेत दिये हैं। सरकार ने आयोग की अनुशंसा और रिपोर्ट के निष्कर्षों को तात्कालिक मानते हुए परीक्षाओं को रद्द करने का निर्णय लिया। आयोग नें (शेष पृष्ठ सात पर)

सर्विस ट्रिब्युनल ने निरस्त किये एसएसपी व आईजी के आदेश

वाहन दुर्घटना की विवेचना में गलत चालक दर्शाने का आरोप लगाकर किया गया था महिला दरोगा को दण्डित

काशीपुर(उद संवाददाता)। उत्तराखंड में सरकारी कर्मचारी अधिकारियों के सेवा सम्बन्धी मामलों का निर्णय करने वाले विशेष न्यायालय (ट्रिब्युनल) की नैनीताल पीठ ने एस.एस.पी. अल्मोड़ा तथा आई.जी कुमाऊं नैनीताल के पुलिस सब इंस्पैक्टर जरन्नुम सईद के विरूद्ध विभागीय कार्यवाही में किये गये दण्ड आदेश को निरस्त कर दिया। ट्रिब्युनल सदस्य (प्रशासनिक) कैप्टन आलोक शेखर तिवारी की बेंच ने महिला दरोगा की याचिका पर एस.एस.पी. के दण्ड आदेश तथा आई.जी. के अपील आदेश को स्थिर रखने योग्य नहीं होने तथा विधिविरूद्ध मानते हुये निरस्त किया है। वर्तमान में काशीपुर जी.आर.पी. चौकी इंचार्ज उपनिरीक्षक तरन्नुम सईद की ओर से अधिवक्ता नदीम उद्दीन एडवोकेट ने उत्तराखंड लोक सेवा अधिकरण की नैनीताल पीठ में याचिका संख्या 16 सन 2025 दायर की थी। इसमें कहा गया था कि जब 2021 में वह थाना सल्ट जिला अलमोड़ा में तैनात थी तो वाहन दुर्घटना सम्बंधी मुकदमा संख्या 09/2021 की विवेचना उसे सौंपी गयी। याची द्वारा अपने कर्तव्यों का पूर्ण ईमानदारी व कर्मठता से पालन करते हुये वाहन मालिक व अन्य सम्बंधित गवाहों के बयान दर्ज किये गये। बयानों में तत्समय सुरेन्द्र सिंह तथा वीरेन्द्र सिंह दो व्यक्तियों के नाम आने पर दोनों की सीडीआर लोकेशन प्राप्त करने हेतु एसएसपी को प्रार्थनापत्र प्रेषित किया जो उसकी दौराने विवेचना प्राप्त नहीं हुई एवं प्रकरण की गहन विवेचना हेतु मौके पर मौजूद लोगों द्वारा बनायी गयी वीडियो प्राप्त कर वीडियो में दिखाई पड़ रहे व्यक्तियों के बयान लेना शेष था। इसी मध्य विवेचना तत्कालीन थानाध्यक्ष को हस्तांतरित कर दी गयी। इसके उपरान्त भी विवेचना विभिन्न पुलिस अधिकारियों को हस्तांतरित हुई। इस प्रकरण में प्रारंभिक जांच पुलिस उपाधीक्षक, रानीखेत से करायी गयी जिन्होंने अपनी जांच आख्या में बिना स्वतंत्र साक्ष्यों तथा याची के पक्ष को विचार में लिये, बिना स्वतंत्र गवाहों तथा साक्ष्यों के याची को जानबूझकर भटकाने तथा वाहन स्वामी को बीमा लाभ पहुंचाने के उद्देश्य से विवेचना कर वाहन चालक वीरेन्द्र सिंह को प्रकाश में लाये जाने के दोषी होने का निष्कर्ष दे दिया। वरिष्ठ पुलिस अधीक्षक ने इस जांच आख्या को आधार बनाते हुये अपने आदेश दिनांक 06-05-2023 से उपनिरीक्षक की वर्ष 2023 की चरित्र पंजिका में परिनिन्दा लेख अंकित करने का आदेश दे दिया। उपनिरीक्षक द्वारा इसकी अपील आई.जी. कुमाऊं परिक्षेत्र नैनीताल को की गयी लेकिन उन्होंने भी अपील पर निष्पक्ष रूप से विचार किये बगैर अपील आदेश दिनांक (शेष पृष्ठ सात पर)

शिक्षा के लिए इंग्लैंड भेजने के नाम पर 10 लाख ठगे

रूद्रपुर (उद संवाददाता)। एक ओवरसीज फर्म संचालक व अन्य कर्मियों द्वारा दो युवकों को उच्च शिक्षा के लिए इंग्लैड भेजने के नाम पर 10 लाख रूपये ठग लिए जाने का मामला प्रकाश में आया है। घटना की रपट दर्ज करा दी गई है। दर्ज रपट में गुरप्रीत सिंह पुत्र जसवीर सिंह व मनवीर सिंह पुत्र पलविन्दर सिंह निवासीगण ग्रामसभा पिपलिया, सितारगंज का कहना है कि वह दोनों उच्च शिक्षा हेतु इंग्लैण्ड जाना चाहते थे। जिसके चलते उन्होंने अगस्त 2023 में गुरमुख सिंह पुत्र बलविन्दर सिंह हाल निवासी ग्राम चिचौली पोस्ट ऑफिस राजपुरा तहसील मिलक जिला रामपुर का है तथा आवास विकास रुद्रपुर में चार साहिब जादे चौक के पास ब्रिलियन्स ओवरसीज के नाम से फर्म का संचालन करता है से बात की। गुरमुख सिंह ने अपने ऑफिस में बुलाया जहां गुरमुख सिंह,उनके कर्मचारी एंव उनके पर्सनल असिस्टेंट पवनदीप सिंह के साथ सभी बाते तय हुई। गुरमुख सिंह की बातों पर विश्वास कर गुरप्रीत सिह ने 17,80,000 रूपये गुरमुख सिंह को दिये। मनवीर सिंह ने 9,30,000 रुपये दिये। जो कागजात एजुकेशन के माध्यम से लगे थे वो हमें वापिस नहीं किये। आरोप है विदेश से अपरूवल लेटर व जिस ई-मेल आईडी का इस्तेमाल करके इसने कॉलेज से अपरूवल लेटर मंगवाया था वो इसके द्वारा हमें दो बार फर्जी दिया गया एवं इसकी पत्नी श्रीमती सिमरनजीत कौर ने हमारा जो पासपोर्ट और निर्णय पत्र दिल्ली इमीग्रेशन से 20 दिसम्बर 2023 को वापिस आया था रिसीव किया। जिसकी सूचना हमें दो माह तक नहीं दी। पासपोर्ट की डेट निकलने के बाद हमें पासपोर्ट दिया गया। परन्तु उक्त व्यक्ति ने हमें आज तक अपरूवल लेटर नहीं (शेष पृष्ठ सात पर)

देवभूमि में बढ़ता अतिक्रमण, डेमोग्राफी चैंज का बड़ा कारण

देहरादून(उद ब्यूरो)। केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह के बयान पर गौर करने की जरूरत है कि किसी राज्य का मुख्यमंत्री और देश का प्रधान मंत्री घुसपैठिए तय नहीं करेंगे। ये बयान देवभूमि उत्तराखंड की सामाजिक और राजनीतिक समस्या पर भी प्रभाव डाल रहा है। जहां मुस्लिम आबादी तेजी से बढ़ रही है और पहाड़ों से पलायन कर रही हिन्दू आबादी का भी स्थान ले सकती है। उत्तराखंड के मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी लगातार ये कहते रहे है कि वे देवभूमि की डेमोग्राफी को बदलने नहीं देंगे। उनके नेतृत्व में सरकार ने कुछ प्रभावी कदम भी उठाए है लेकिन चार मैदानी जिलों में जिला प्रशासन इस ओर गंभीर अब तक नहीं हुआ है। सनातन नगरी हरिद्वार को तो हरी चादर ने चारों तरफ से घेर लिया है। राज्य में डेमोग्राफी चेंज का खतरा मंडरा रहा है ये बात बीजेपी के साथ साथ अन्य सनातनी संगठन, संत महात्मा कह रहे है। सरकारी भूमि अतिक्रमण कर बाहरी लोग यहां आकर बस रहे है, खास तौर पर यूपी बिहार झारखंड असम बंगाल आदि राज्यों के मुस्लिम यहां आकर बस रहे है और इन्हें एक योजनाबद्ध तरीके से बसाया भी जा रहा है जिनमें राजनीतिक संरक्षण प्राप्त ग्राम प्रधान ,जिला पंचायत सदस्यों ,विधायको का गठजोड़ शामिल है। राज्य की जंग खाई सरकारी मशीनरी इस काम में वो तेजी नही दिखा रही जिसकी उम्मीद सीएम पुष्कर सिंह धामी को रहती आई है। उत्तराखंड में पूर्ववर्ती कांग्रेस शासन काल के दौरान किया सरकारी भूमि पर अतिक्रमण से देवभूमि का सनातन

स्वरूप बिगड़ रहा है। खास तौर पर केंद्र सरकार की भूमि ,वन विभाग और राजस्व विभाग की जमीनों पर अवैध रूप से हजारों नही लाखो लोग आकर बस गए है और बसते भी जा रहे है। सरकारी मशीनरी के पास इस अतिक्रमण को हटाने के लिए या तो फुरसत नहीं है या फिर वो इस काम को फालतू का काम समझ कर अनदेखा कर रही है। जिलों में कुछ अधिकारी ऐसे भी है जो इस अभियान को इस लिए ठंडे बस्ते में डाल देते है कि ६ मैं अपने कार्यकाल में क्यों बवाल मोल लूंष? इस सोच के चलते उत्तराखंड के चार मैदानी जिलों में अतिक्रमण की समस्या नासूर बन गई है और इसकी वजह से जनसंख्या असंतुलन एक राजनीतिक ,आर्थिक और सामाजिक समस्या का विकराल रूप धारण रही है। वन विभाग द्वारा साढ़े तीन हजार एकड़ से अधिक जमीन अतिक्रमण से मुक्त करवाई गई है लेकिन अभी करीब आठ हजार हैक्टेयर भूमि कब्जेदारों के पास है। वन अधिकारियो द्वारा कभी राजनीतिक कारणों से अतिक्रमण हटाओ अभियान सुस्त कर दिया जाता है,तो कभी तेज कर दिया जाता है। उधर रेलवे की जमीन मसूरी लालकुआं में कब्जा मुक्त की का रही है हल्द्वानी रेलवे की जमीन का विवाद सुप्रीम कोर्ट में लंबित पड़ा हुआ है। शत्रु संपत्ति पर से देहरादून में अवैध कब्जे नही हटाए जा सके है जबकि नैनीताल में सरकार ने शत्रु संपत्ति खाली करवा कर अपने कब्जे में ले ली है। अभी भी बीस हजार करोड़ की संपत्ति अवैध कब्जेदारी में है। राजस्व विभाग, ग्राम पंचायत की जमीनों पर हजारों की संख्या में बाहर से आए मुस्लिम बसते जा रहे है स्थानीय नेता उन्हे संरक्षण भी दे रहे है और उनसे चौथ भी वसूल रहे है। पछुवा देहरादून में ऐसे सैकड़ों मामले उजागर हुए है यहां गांव के गांव अपना सामाजिक स्वरूप बदलते हुए देख रहे है। **धामी सरकार कर रही सुप्रीम कोर्ट के निर्देशों का पालन :** सुप्रीम कोर्ट ने धार्मिक संरचनाओं के मामले में पहले 2009 और 2019 में पुनः निर्देशित किया है कि कोई भी नया धार्मिक स्थल बिना जिलाधिकारी की अनुमति के, निजी भूमि पर भी नही बनाया जा सकता, सरकारी भूमि पर ये अतिक्रमण की श्रेणी में रखा गया है। यदि कोई पूर्व में बना हैं और उसकी मरम्मत भी होनी है तो उसके लिए भी डीएम की अनुमति आवश्यक है। उच्चतम न्यायालय ने ऐसे अतिक्रमण प्रकरण की निगरानी के लिए उच्च न्यायालय को नियुक्त किया हुआ है। जिला प्रशासन को इस बारे में हाई कोर्ट को रिपोर्ट देनी है। धामी सरकार ने सुप्रीम कोर्ट के आदेशों के तहत ही धार्मिक संरचाओ को हटाया है। नैनीताल हाई कोर्ट ने सड़को के किनारे और वन भूमि को कब्जा मुक्त करने के कड़े निर्देश जारी किए है और कारवाई के फोटो ग्राफ भी प्रशासन को हाई कोर्ट में जमा करने को कहा है। **एनजीटी भी आदेश देकर बेबस:** उत्तराखंड के नदी नाले तालाब आदि पर अतिक्रमण

किसी भी हाल में देवभूमि का सनातन स्वरूप बिगड़ने नहीं देंगे: पुष्कर धामी

देहरादून। मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी कहते है कि वो देवभूमि उत्तराखंड का सनातन स्वरूप बिगड़ने नही देंगे,हमारे तीर्थ हमारी नदियां पावन है और पूजनीय है जिनका संरक्षण करना इनकी सेवा करना हमारा पहला कर्तव्य है,

हम नदियों को जंगल को कब्जा मुक्त कराने का अभियान छेड़ चुके है। ये हिमालय ये शिवालिक हमारे आराध्य देवी देवताओं के वास है। सीएम धामी कहते है कि हम एक एक इंच सरकारी भूमि कब्जे से मुक्त कराएंगे। बेहतर यही होगा कि अवैध कब्जेदार खुद ही कब्जा छोड़ दे अन्यथा हमारा बुल्डोजर आ रहा है। सीएम धामी ने सभी जिलाधिकारियों को स्पष्ट कह दिया है कि बिना किसी राजनीतिक, सामाजिक दबाव के अवैध रूप से बसे लोगो को हटाया जाए। धामी सरकार ने कैबिनेट में अतिक्रमण करने वालो के खिलाफ सख्त कानून बनाने का प्रस्ताव भी पास कर दिया है जो कि आगामी विधानसभा सत्र में रखा जाने वाला है।जिसमे अतिक्रमण करने पर आईपीसी के तहत मुकदमा दर्ज कर दस साल तक कड़ी सजा दिए जाने का प्रावधान है।

है। गंगा जमुना में जाकर मिलने वाली नदियों ने इस मानसून में तबाही मचाई है और सचेत किया है कि उनकी राह के रोड़े हटाए जाए,यही बात राष्ट्रीय हरित प्राधिकरण (एनजीटी) ने बार बार राज्य सरकार को आदेशित की है और पहले भी देहरादून जिला प्रशासन पर एक लाख रु का जुर्माना भी डाला था, गौरतलब बात ये है कि हाई कोर्ट और एनजीटी के निर्देशों का पालन करने में प्रशासन ने कोताही बरती है। उत्तराखंड प्रदूषण नियंत्रण बोर्ड भी बार बार इस बारे में शासन को सचेत कर रहा है। **अतिक्रमण करने वालो को दस साल की सजा का बिल भी लटका:** उत्तराखंड की धामी कैबिनेट ने एक अध्यादेश लाने का प्रस्ताव पास किया है।जिसमे सरकारी और निजी भूमि पर अतिक्रमण करने वाले के खिलाफ आईपीसी एक्ट के तहत मामला दर्ज करने और उसे दस साल तक कड़ी सजा दिए जाने का प्रावधान है लेकिन इसे लेकर कोई कारवाई नहीं की जाती, धामी सरकार ने अतिक्रमण करने वालो के खिलाफ गैंगस्टर और रासुका जैसे कठोर कानून लगाने के लिए पुलिस प्रशासन को स्वतंत्रता दी है परंतु शासन स्तर पर ढुल मुल कारवाई से ये विषय अधर में लटका हुआ है।

11814 हेक्टेयर वन भूमि पर बाहर से आए लोगों ने कब्जा कर लिया

देहरादून। उत्तराखंड राज्य में भागौलिक दृष्टि से 71प्रतिशत क्षेत्र में जंगल भूमि है, जहां सबसे ज्यादा अवैध रूप से अतिक्रमण कारी बसे हुए है, सरकार द्वारा एक सर्वे करवाया गया है जिसमे बताया गया है कि 11814 हेक्टेयर वन भूमि पर बाहर से आए लोगो ने कब्जा किया हुआ है । सर्वे में ये बताया गया कि जिन 23 नदियों में खनन होता है वहां नदी श्रेणी की वन भूमि पर कब्जे किए गए है, दरअसल यहां 2005 तक खनन के लिए श्रमिक बाहरी प्रदेशों से जब आते थे और बरसात में खनन बंद होने के बाद वापिस चले जाते थे।किंतु कांग्रेस शासन काल में ये लोग यहां स्थाई रूप से कच्चे पक्के मकान बना कर बस गए और अब इस कब्जे वाली जगह के सौदे होने लग गए, इस सौदे बाजी को राजनीतिक संरक्षण मिला और अब यहां अवैध बस्तियां जनसंख्या असंतुलन, मुस्लिम तुष्टिकरण का कारण बन गई है। गंगा तीर्थ नगरी में कुम्भ क्षेत्र को छोड़ दिया जाते तो पूरा जिले

में हरी चादर फैल गई है। हरिद्वार जिले में गंगा, नैनीताल और उधम सिंह नगर जिले में गौला,कोसी नदी, देहरादून जिले में टोंस, यमुना, कालसी, रिस्पना, नौरा, अमलावा आदि नदियों के किनारे हजारों की संख्या में अवैध रूप से बाहर से लोग आकर बस गए है पुलिस इन दिनों इनका सत्यापन करवा रही है। मुस्लिम गुर्जरों के कब्जे: उत्तराखंड में कॉर्बेट और राजा जी दो टाइगर रिजर्व है, जहां से मुस्लिम गुर्जरों को सरकार ने बाहर निकाल कर,प्रत्येक परिवार को एक एक हैक्टेयर जमीन दी थी, किंतु इन गुर्जरों ने हिमाचल और यूपी से अपने रिश्तेदार बुलाकर बड़े पैमाने पर सैकड़ो हैक्टेयर जमीन कब्जा ली और उसपर खेती करने लगे अब जब सर्वे में इस प्रकरण का खुलासा हुआ तो मालूम हुआ कि तराई पश्चिम पूर्वी वन प्रभाग, देहरादून और हरिद्वार वन प्रभाग में हजारों एकड़ जमीन इन गुर्जरों ने कब्जा ली और फिर खरीद फरोख्त का कारोबार भी करने लगे। इसमें कई राजनीतिक और वनाधिकारियों के संरक्षण के विषय भी सामने आए, लेकिन सीएम धामी ने स्पष्ट कर दिया कि कोई दबाव नहीं है और उन्हे जंगल बिल्कुल अतिक्रमण मुक्त चाहिए,उन्होंने कहा कि पुराने चले आ रहे गोट खत्ते आबादी को छोड़ कर एक एक इंच सरकारी जमीन खाली करवाई जाएगी। वन विभाग ने सख्त रुख अपनाते हुए अभी तक तीन हजार एकड़ से ज्यादा जमीन को अवैध कब्जे से मुक्त करवा लिया है। शेष पर कारवाई चल रही है। वन विभाग ने कालागढ़ में रामगंगा जल विद्युत परियोजना और ऋषिकेश में आईडीपीएल को लीज पर दी अपनी जमीन को भी वापिस लिए जाने का काम शुरू किया है।

रेलवे,राजस्व,पीडब्ल्यूडी,जलविद्युत,सिंचाई की बेशकीमती जमीनों पर हुए अवैध कब्जे

देहरादून। अवैध रूप से कब्जे करने वालो ने एक षड्यंत्र के तहत हल्द्वानी रामनगर की रेलवे की जमीनों पर कब्जे किए जिन्हे केंद्र और राज्य सरकार मिल कर खाली करवा रही है, इस मामले में सरकार हाई कोर्ट और सुप्रीम कोर्ट में अपने कब्जे की लड़ाई लड़ रही है। देहरादून जिले में हिमाचल,यूपी से लगे विकासनगर क्षेत्र में ढकरानी आसन बैराज क्षेत्र में जलविद्युत विभाग और सिंचाई विभाग की नहरों के किनारे जमीनों पर हुए अवैध कब्जो को धामी सरकार ने बुल्डोजर चला कर खाली करवा लिया है, यहां बिना अनुमति बनी मस्जिदों और मदरसो को प्रशासन ने खुद हटाने का नोटिस भी दिया है। धर्मपुर, सहसपुर, क्षेत्र में भी अवैध कब्जे चिन्हित हुए है जिन्हे प्रशासन हटाने की तैयारी कर चुका है। उत्तराखंड में बड़ी संख्या में जलविद्युत परियोजनाओं पर काम हुआ,यहां काम करने आए श्रमिक और अन्य लोग यहां की जमीनों पर अवैध रूप से बस गए, पिछले दिनों टिहरी डैम के पास मस्जिद बनाने का प्रकरण चर्चा में आया जिस पर बवाल हुआ, इसी तरह से सीमावर्ती धारचूला क्षेत्र में भी अवैध कब्जे हुए। उत्तराखंड में ऑल वेदर रोड और अन्य सड़क प्रोजेक्ट चल रहे है जिसकी आड़ लेकर यहां लोग पहाड़ो की सरकारी जमीनों पर अवैध रूप से बसने लगे जिन्हे

अब धामी सरकार बुल्डोजर से ध्वस्त कर रही है। इसी तरह राजस्व, पीडब्ल्यूडी, विभाग की जमीनों पर भी अवैध कब्जे होते चले गए, जिन्हे अब प्रशासन हटा रहा है। **धार्मिक चिन्हों की आड़ लेकर हुए कब्जे :** वन,पीडब्ल्यूडी ,रेलवे, सिंचाई भूमि पर धार्मिक चिन्हों की आड़ लेकर कब्जे करने की नियत से मजारे, मस्जिद मदरसे, बना दिए गए जिन्हे धामी सरकार ने सख्ती से हटाना शुरू कर दिया है। कॉर्बेट और राजा जी टाइगर रिजर्व जहां इंसान के पैदल चलने की अनुमति नही वहां मजारे बना दी गई जिन्हे अब धामी सरकार ने हटवा दिया है रिजर्व फॉरेस्ट अलावा सरकारी अस्पताल परिसर, कैंट एरिया, सड़को के किनारे भी अवैध मजारे ,कहीं कहीं मंदिर, गुरुद्वारे भी कब्जे की नियत से बनाए गए, ऐसे 594 अवैध धार्मिक कब्जो को भी हटाया गया है।जिनमे 552अवैध मजारे भी शामिल है **शत्रु संपति पर भी कब्जा :** उत्तराखंड में नैनीताल में होटल मेट्रो पॉल शत्रु संपत्ति परिसर में सैकड़ों लोगो ने कब्जा किया हुआ था,करीब तीन सौ करोड़ की गृह मंत्रालय की इस संपत्ति को धामी सरकार ने बुलडोजरों ने खाली करवा लिया है।ये कब्जेदार, रामपुर मुरादाबाद जिले से यहां अवैध रूप से बसे हुए थे। नैनीताल की घोड़ा बस्ती भी ध्वस्त कर दी गई है जोकि आयरपाटा के जंगल में अवैध रूप से बना दी गई थी। अभी किच्छा देहरादून हरिद्वार में भी शत्रु संपत्ति को खाली करवाने के लिए नोटिस दिए गए है।

विभिन्न विकास योजनाओं के लिए 1029 करोड़ की वित्तीय स्वीकृति

देहरादून(उद संवाददाता)। मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी ने पंचम राज्य वित्त आयोग की संस्तुतियों के क्रम में गैर निर्वाचित निकायों को वित्तीय वर्ष 2025-26 की द्वितीय छमाही किश्त हेतु 03 करोड़, समस्त जिला पंचायतों को वित्तीय वर्ष 2025-26 की तृतीय त्रैमासिक किश्त एवं क्षेत्र पंचायतों एवं ग्राम पंचायतों को द्वितीय छमाही किश्त की कुल 361.25 करोड तथा समस्त शहरी स्थानीय निकायों को वित्तीय वर्ष 2025-26 की तृतीय त्रैमासिक किस्त हेतु 333.25 करोड की धनराशि आवंटित किये जाने का अनुमोदन प्रदान किया है। मुख्यमंत्री द्वारा मानसून के दौरान जनपद हरिद्वार में आपदाओं की संवेदनशीलता को देखते हुए आपदा न्यानीकरण निधि में तात्कालिक आवश्यकताओं के कार्यों हेतु 01 करोड एवं जनपद उत्तरकाशी के धराली/ स्यानाचट्टी सहित विभिन्न क्षेत्रों में अतिवृष्टि के कारण व्यापक सार्वजनिक परिसम्पत्तियों की मरम्मत/ पुर्नस्थापना कार्य हेतु 03 करोड़ अतिरिक्त धनराशि आवंटित किये जाने का अनुमोदन प्रदान किया गया है। मुख्यमंत्री ने राज्य योजना के अन्तर्गत जनपद पौड़ी गढ़वाल की विधानसभा क्षेत्र श्रीनगर में विभिन्न मोटर मार्गों पर स्थित 04 सेतुओं को उच्चीकृत किये जाने एवं एक मोटर मार्ग के निर्माण हेतु 18.23 लाख का भी अनुमोदन प्रदान किया है। मुख्यमंत्री ने विभिन्न जनपदों/रेखीय विभागों को वित्तीय वर्ष 2025-26 में राज्य आपदा मोचन निधि से आयुक्त एवं सचिव, राजस्व परिषद, देहरादून को 02 करोड़, जनपद देहरादून को 16 करोड़ एवं उत्तराखण्ड ग्रामीण सड़क विकास अभिकरण को 25 करोड़, की धनराशि आवंटित किये जाने का अनुमोदन प्रदान किया है। मुख्यमंत्री द्वारा जनपद पौडी के विकासखण्ड यमकेश्वर के अन्तर्गत दिवोगी कान्द्रा भवालातोक में विन नदी के किनारे पर बाढ़ नियंत्रण कार्य हेतु 2.58 करोड़ की धनराशि का अनुमोदन प्रदान किया गया है। इसके साथ ही मुख्यमंत्री द्वारा प्राकृतिक आपदा से मार्गो/सड़कों में आने वाले मलबे को हटाये जाने हेतु विभिन्न कार्यदायी संस्थाओं द्वारा स्थापित/तैनात की गयी जेसीबी आदि के वित्तीय वर्ष 2025-26 तथा विगत वर्षों को जेसीबी के बीजकों का तथा राज्य आपदा मोचन निधि से अन्य देयकों का भुगतान जनपद स्तर पर प्रति जनपद 02 करोड़ की दर से 13 जनपदों हेतु कुल 26 करोड़ स्वीकृत किये जाने का अनुमोदन प्रदान किया गया है। मुख्यमंत्री द्वारा मुख्यमंत्री घोषणा के तहत जनपद पिथौरागढ़ में स्थित लंदन फोर्ट किले का नाम सोरगढ़ किला किये जाने का अनुमोदन प्रदान किया है। इसका शासनादेश भी जारी कर दिया गया है।

कई विधायकों ने सीएम धामी से की मुलाकात

देहरादून। मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी से सचिवालय में राजपुर रोड विधानसभा क्षेत्र से विधायक खजान दास, पुरोला विधानसभा क्षेत्र से विधायक दुर्गेश्वर, गंगोत्री विधानसभा क्षेत्र से विधायक सुरेश चौहान, डोईवाला विधानसभा क्षेत्र से विधायक बृजभूषण गैरोला एवं देवप्रयाग विधानसभा क्षेत्र से विधायक विनोद कंडारी के अलावा लैंसडाउन विधानसभा क्षेत्र से विधायक दिलीप सिंह रावत ने भेंट की। इस दौरान विधायकों ने मुख्यमंत्री से अपने अपने विधानसभा क्षेत्र की समस्याओं को लेकर चर्चा की।

भूमि खरीद प्रकरण में तीन अधिकारियों के खिलाफ विभागीय जांच हुई शुरू

देहरादून (उद संवाददाता)।नगर निगम, हरिद्वार द्वारा ग्राम सराय स्थित भूमि के क्रय में अनियमितताओं से संबंधित प्रकरण को लेकर उत्तराखण्ड शासन ने कार्रवाई की गति तेज कर दी है। शासन द्वारा इस पूरे प्रकरण में तीन अधिकारियों-तत्कालीन जिलाधिकारी कर्मेन्द्र सिंह, तत्कालीन नगर आयुक्त वरुण चौधरी तथा तत्कालीन उप जिलाधिकारी अजयवीर सिंह, (निर्लबित) के विरुद्ध विभागीय जांच की प्रक्रिया प्रारंभ की गई है। गृह विभाग से जारी आदेश के अनुसार, प्रथम दृष्टया संलिप्तता पाए जाने के आधार पर श्री अजयवीर सिंह के विरुद्ध उत्तराखण्ड सरकारी सेवक (अनुशासन एवं अपील) नियमावली, 2003 (यथासंशोधित) के प्रावधानों के तहत अनुशासनात्मक कार्यवाही प्रचलित की गई है। उन्हें पूर्व में आरोप पत्र निर्गत करते हुए अपना पक्ष प्रस्तुत करने का अवसर दिया गया था, जिसके प्रत्युत्तर में उन्होंने दिनांक 16 सितम्बर, 2025 को अपना लिखित अभिकथन प्रस्तुत करते हुए सभी आरोपों को अस्वीकार किया। शासन ने अब इस प्रकरण में निष्पक्ष जांच सुनिश्चित करने हेतु डॉ. आनन्द श्रीवास्तव (आई.ए.एस.), अपर सचिव, उत्तराखण्ड शासन को श्री अजयवीर सिंह के विरुद्ध जांच अधिकारी नियुक्त किया है। उन्हें एक माह के भीतर जांच आख्या शासन को प्रस्तुत करने के निर्देश दिए गए हैं। ज्ञातव्य है कि प्रकरण से संबंधित अन्य दो अधिकारियों-तत्कालीन जिलाधिकारी हरिद्वार श्री कर्मेन्द्र सिंह और तत्कालीन नगर आयुक्त श्री वरुण चौधरी के विरुद्ध चल रही विभागीय जांच के लिए शासन ने श्री सचिन कुर्वे (आई.ए.एस.) को जांच अधिकारी नामित किया है। सीएम धामी का कहना है कि राज्य सरकार भ्रष्टाचार और अनियमितताओं के प्रति शून्य सहिष्णुता की नीति पर दृढ़ता से कार्य कर रही है। शासन व्यवस्था में पारदर्शिता और जवाबदेही सुनिश्चित करना हमारी सर्वोच्च प्राथमिकता है।

Azadi Ka Amrit Mahotsav
Uttarakhand Health & Family Welfare Society
Goverment of Uttarakhand Department of Medical Health & Family Welfare

माँ के गर्भ में लड़के या लड़की का पता करना या करवाना दण्डनीय अपराध है

बेटा हो या बेटी, है तो आपके आंगन का फूल !
पी0सी0पी0एन0डी0टी0 अधिनियम 1994 के अन्तर्गत
अन्तर्राष्ट्रीय बालिका दिवस
की हार्दिक शुभकामनायें
दिनाँकः- 11.10.2025
डॉ. के. के. अग्रवाल
मुख्य चिकित्सा अधिकारी
ऊधम सिंह नगर
श्री नितिन सिंह भदौरिया (IAS)
जिला अधिकारी
ऊधम सिंह नगर
" गर्भधारण पूर्व लिंग चयन और प्रसव पूर्व लिंग परीक्षण करना व करवाना एक दण्डनीय अपराध है।
सौजन्य से: राष्ट्रीय स्वास्थ्य मिशन, चिकित्सा स्वास्थ्य परिवार कल्याण विभाग, ऊधम सिंह नगर, उत्तराखण्ड
पत्रांकः एन0एच0एम0/PCPNDT/4(A)/वि0बा0दि/9836 दिनांक 09.10.2025

एनसीसी कैडेट्स व विद्यार्थियों के लिए जागरुकता कार्यक्रम आयोजित

रुद्रपुर (उद संवाददाता)।विश्व मानसिक स्वास्थ्य दिवस के अवसर पर सरदार भगत सिंह राजकीय स्नातकोत्तर महाविद्यालय के सभागार में एक विशेष जागरूकता कार्यक्रम का आयोजन किया गया। इस वर्ष की थीम ष्सेवाओं तक पहुँच - आपदाओं और आपात स्थितियों में मानसिक स्वास्थ्यष के अनुरूप था। यह कार्यक्रम एनसीसी कैडेट्स और स्थानीय स्कूलों के बच्चों के मानसिक स्वास्थ्य और कल्याण को समर्पित था। मुख्य चिकित्सा अधिकारी डॉ. केके अग्रवाल एवं कॉलेज के प्राचार्य एएन सिंह की अध्यक्षता में आयोजित इस कार्यक्रम का मुख्य उद्देश्य युवा पीढ़ी को मानसिक स्वास्थ्य के महत्व के बारे में जागरूक करना और उन्हें तनाव तथा भावनात्मक चुनौतियों का सामना करने के लिए आवश्यक कौशल प्रदान करना था। कार्यक्रम में मनोचिकित्सक डॉ. ईश डल्ला द्वारा शिरकत की, जिन्होंने बच्चों और कैडेट्स के साथ सीधा संवाद किया। मानसिक स्वास्थ्य विशेषज्ञ डॉ. ईश डल्ला ने युवाओं में बढ़ते तनाव, चिंता और अवसाद के कारणों पर प्रकाश डाला और स्वस्थ जीवन शैली अपनाने के उपाय सुझाए। मुख्य चिकित्सा अधिकारी डॉ. केके अग्रवाल द्वारा पॉवरपॉइंट प्रेजेंटेशन के माध्यम से कैडेट्स और बच्चों के लिए तनाव प्रबंधन और सकारात्मक सोच पर व्याख्यान दिया गया। उन्होंने योग, ध्यान और भावनात्मक विनियमन की तकनीकों का अभ्यास किये जाने हेतु प्रेरित किया गया। एनसीसी कैडेट्स ने मानसिक स्वास्थ्य के प्रति जागरूकता फैलाने वाले भाषण एवं गीत प्रस्तुत किये। प्राचार्य एएन सिंह ने अपने संबोधन में कहा कि शारीरिक स्वास्थ्य के साथ-साथ मानसिक स्वास्थ्य भी उतना ही महत्वपूर्ण है। हम सभी को मिलकर एक ऐसा वातावरण बनाना होगा, जहाँ युवा बिना किसी झिझक के अपनी मानसिक चुनौतियों पर बात कर सकें। कॉलेज की एनसीसी इकाई के अधिकारी प्रोफेसर भरत सिंह राजपूत ने कार्यक्रम के सफल आयोजन में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई। कार्यक्रम में लगभग 110 एनसीसी कैडेट्स और छात्रों ने उत्साहपूर्वक भाग लिया। यह कार्यक्रम कॉलेज के छात्रों के समग्र विकास के प्रति प्रतिबद्धता को दर्शाता है और यह संदेश देता है कि मानसिक स्वास्थ्य हर व्यक्ति का मौलिक अधिकार है। भाषण प्रतियोगिता में सोफिया एमए प्रथम, अलका एमए द्वितीय व कशिका बीए ने तृतीय स्थान प्राप्त किया। जिन्हें मुख्य चिकित्सा अधिकारी द्वारा पुरुस्कृत किया गया ।कार्यक्रम में डॉ एसपी सिंह, उमेश पाल, संजय रावत, प्रदीप महर, संजय कुमार पाण्डेय, रवि कुमार, माया, रामस्वरूप शर्मा एवं फैकल्टी मेंम्बर उपस्थित रहे।

अपर सहायक अभियंता और एई के साथ अभद्रता करने का लगाया आरोप

अल्मोड़ा(उद संवाददाता)। डिप्लोमा इंजीनियर्स संघ की शुक्रवार को आपातकालीन बैठक हुई। इसमें अराजक तत्वों पर अपर सहायक अभियंता और सहायक अभियंता के साथ अभद्रता व जान से मारने की धमकी का आरोप लगाया। एसएसपी को ज्ञापन देकर डिप्लोमा इंजीनियर्स ने कहा कि बीते दिनों लोनिवि प्रांतीय खंड में कार्यरत अपर सहायक अभियंता इं. अंकित सिंह व सहायक अभियंता इं. पूरन सिंह फर्त्याल से हवालबाग बसोली सड़क में पाखुड़ा नामक स्थान पर कुछ अराजक व्यक्तियों की ओर से अभद्रता, गाली-गलौज व जान से मारने की धमकी दी गई। अपर सहायक अभियंता के साथ छीना-झपटी व धक्का-मुक्की कर उनका मोबाइल फोन तोड़ दिया। कहा कि इस संबंध में सोमेश्वर थाने में सूचना दी गई है। पुलिस उपाधीक्षक की ओर से उचित कार्रवाई का आश्वासन भी दिया गया है। उचित कार्रवाई न होने पर कार्रबहिष्कार व आंदोलन की भी चेतावनी दी। यहां इं. प्रदीप जोशी, इं. अंकित सिंह, इं. रवि दानी, इं. आलोक ओली, इं. सुरेश पौडियाल, इं. मुकेश मिश्रा, इं. हितांशी, इं. रवि रावत, इं. मनोज नाथ, इं. दीपक जोशी, इं. वरूण पंत, इं. रिनी पांडेय, इं. फैजान मलिक रहे।

क्या अंग्रेजी दवाईयां आपका रोग ठीक करने में नाकाम हैं तो मिलें-
विजय आयुर्वेद क्लीनिक
पंचकर्म सेन्टर
निम्न रोगों के इलाज में 16 वर्षों का अनुभवः-
पार्किन्सन्स, अल्जाइमर, मानसिक विकार, निःसन्तान स्त्री-पुरूष की सभी चिकित्सायें, ट्यूब ब्लॉक, सिस्ट, कीटाणु की कमी आदि। डिस्क प्रोलेप्स सर्वाइकल, गठिया, घुटने का दर्द, किडनी रोग (डायलिसिस से पहले) लीवर सिरोसिस, हैपेटाइटिस B&C, Fatty Liver प्रोस्टेट रोग
असाध्य एवं लाइलाज रोगियों की चिकित्सा शुद्ध आयुर्वेदिक पद्धति द्वारा की जाती है।
DR. VIJAY PRAKASH MISHRA M.D. (Ayurveda) Mob.: 9410897970
DR. ASHWINI MISHRA M.D. (Ayurveda) स्त्री एवं त्वचा रोग
मिलने का समय : प्रातः 11:00 बजे से दोपहर 3:00 बजे तक (शुक्रवार अवकाश)
होटल राजश्री के सामने, गली नं0 2, डॉक्टर्स कालोनी डी। डी 2 सिविल लाईन, रूद्रपुर (ऊधम सिंह नगर) उत्तराखण्ड

78वें वार्षिक निरंकारी संत समागम की तैयारियां जोरों पर

हल्द्वानी (उद संवाददाता)। संत निरंकारी मिशन का 78वां वार्षिक संत समागम इस वर्ष 31 अक्टूबर से 3 नवम्बर तक समालखा (हरियाणा) स्थित संत निरंकारी आध्यात्मिक स्थल पर अत्यंत भव्यता, श्रद्धा और आध्यात्मिक उल्लास के साथ आयोजित होने जा रहा है। यह दिव्य आयोजन सतगुरु माता सुदीक्षा जी महाराज एवं निरंकारी राजपिता रमित जी के पावन सान्निध्य में संपन्न होगा।'आत्ममंथन' विषय पर आधारित इस वर्ष का वार्षिक संत समागम अपने आप में एक अद्भुत एवं अनुपम आध्यात्मिक यात्रा है, जहां श्रद्धालु ब्रह्मज्ञान की आंतरिक ज्योति में और प्रेमाभक्ति का अनुभव प्राप्त करेंगे। इस दिव्य उत्सव की तैयारियां अत्यंत श्रद्धा, लगन एवं निःस्वार्थ भावना से की जा रही हैं। श्रद्धालु भक्त सेवा में पूर्ण रूप से रत हैं। इन सेवकों के मुखमंडलों पर कोई थकान नहीं, अपितु आनंद और उल्लास की आभा झलक रही है। सतगुरु माता जी भी अपने प्रवचनों में बारंबार यही प्रेरणा देती हैं कि 'तन पवित्र सेवा किये, धन पवित्र दिये दान, मन पवित्र हरि भजन सों, त्रिबिध होई कल्याण। देश विदेशों से लाखों श्रद्धालु भक्त इस संत समागम में सम्मिलित होने के लिए पधारते हैं। उनके स्वागत एवं सुविधाओं हेतु सभी आवश्यक प्रबंध अत्यंत सुचारू रूप से किए जा रहे हैं। रेलवे स्टेशन, बस अड्डों और हवाई अड्डों पर निरंकारी सेवादल के अनुशासित, मर्यादित एवं सुसज्जित सेवादार अपनी नीली और खाकी वर्दियों में श्रद्धालुओं का हार्दिक अभिनंदन करते हुए उन्हें उनके निर्धारित निवास स्थलों तक ससम्मान पहुँचाने हेतु सतत तत्पर रहेंगे।

विकास कार्यों की मंजूरी पर शुक्ला ने जताया सीएम का आभार

किच्छा(उद संवाददाता)। पूर्व विधायक राजेश शुक्ला ने मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी का आभार जताया है। उन्होंने कहा कि किच्छा क्षेत्र के लिए की गई पांच प्रमुख घोषणाओं में से बंडीया भट्टा नमक फैक्ट्री पर आपदा में क्षतिग्रस्त पुल के पुनर्निर्माण की घोषणा पर प्रथम चरण की स्वीकृति प्राप्त हो गई है। इस परियोजना के लिए 8.5 लाख रुपये की धनराशि स्वीकृत कर दी गई है, जिससे आगणन तैयार किया जाएगा। इसके बाद टेंडर प्रक्रिया शुरू होगी। पुल की लंबाई 60 मीटर है, जिसे दोनों ओर से एप्रोच रोड से जोड़ा जाएगा। इस कार्य की शेष लागत का आगणन तैयार कर शासन को भेजा जाएगा तथा द्वितीय चरण की धनराशि प्राप्त होने के बाद 2026 के अंत तक पुल निर्माण कार्य पूर्ण होने की उम्मीद है। शुक्ला ने जानकारी दी कि 13 अक्टूबर 2024 को किच्छा में आयोजित नागरिक अभिनंदन समारोह में मुख्यमंत्री ने यह घोषणा की थी। इसके साथ ही मुख्यमंत्री ने अटरिया रोड के 8.5 किमी अवशेष भाग, पंतनगर विश्वविद्यालय में बाबा साहब डॉ. भीमराव अंबेडकर की आदमकद प्रतिमा, पुराने टैक्सी स्टैंड पर विभाजन विभीषिका सेनानियों की स्मृति में कीर्ति स्तंभ तथा दरउ में अंबेडकर पार्क और तालाब के सौंदर्यीकरण की भी घोषणा की थी। शुक्ला ने बताया कि अटरिया रोड के निर्माण के लिए 20 करोड़ रुपये की राशि लोक निर्माण विभाग द्वारा प्रस्तावित की गई थी, जिसे पुनर्निरीक्षण के लिए भेजा गया है। अब संशोधित आगणन इसी सप्ताह देहरादून भेजा जाएगा। इस सिलसिले में उन्होंने लोक निर्माण विभाग के सचिव पंकज पांडे से मुलाकात कर कार्यवाही तेज करने के निर्देश दिलवाए। पूर्व विधायक ने बताया कि उन्होंने एक माह पूर्व मुख्यमंत्री से भेंट कर इन पांचों घोषणाओं पर शीघ्र धनराशि स्वीकृत करने का आग्रह किया था। इसके फलस्वरूप लोक निर्माण विभाग, संस्कृति विभाग और पर्यटन विभाग ने तेजी से कार्य प्रारंभ किया है। सभी परियोजनाओं पर 2025 के अंत तक धनराशि जारी होने की संभावना है और 2026 में निर्माण कार्य प्रारंभ हो जाएगा। उन्होंने पूर्व में कनकपुर इंटर कॉलेज का नामकरण शहीद देव बहादुर थापा के नाम पर किए जाने की घोषणा को पूरा करने के लिए भी मुख्यमंत्री का आभार जताया। शुक्ला ने कहा कि उनके अनुरोध पर पूर्व में की गई घोषणाओंख्रजैसे कि किच्छा में फायर स्टेशन की स्थापना, इंटरनेशनल एयरपोर्ट के लिए भूमि आवंटन, हाईटेक बस अड्डा, कम्युनिटी हॉल, मुंशीफ कोर्ट, विद्युत विभाग का अधिशासी अभियंता कार्यालय व डिवीजन जैसी परियोजनाओं पर भी कार्यवाही चल रही है, जो क्षेत्र के विकास में मील का पत्थर साबित होंगी। विपक्ष पर निशाना साधते हुए शुक्ला ने कहा कि पूर्ववर्ती कांग्रेस सरकार के कार्यकाल (2012-2017) में तत्कालीन मुख्यमंत्री हरीश रावत द्वारा किच्छा में की गई 11 घोषणाओं में से एक पर भी कार्य नहीं किया गया था। उन्होंने आरोप लगाया कि उस समय क्षेत्र के साथ भेदभाव किया गया था, जबकि मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी द्वारा सभी घोषणाओं पर लगातार स्वीकृति दी जा रही है, जिससे किच्छा का समग्र विकास संभव हो रहा है।

चोरी के मोबाईल सहित युवक गिरफ्तार

हल्द्वानी (उद संवाददाता)। राजपुरा चौकी पुलिस ने मोबाईल चोरी के घटना का चौबीस घंटे में खुलासा कर आरोपी को चुराए मोबाईल सहित गिरफ्तार कर लिया। जानकारी के अनुसार मोनू पुत्र चंद्रपाल निवासी राजेंद्र नगर वार्ड नंबर 13 राजपुरा द्वारा तहरीर दी कि अज्ञात चोर द्वारा रात्रि में घर के अंदर घुसकर उसका मोबाइल फोन व नगदी की चोरी कर ली गई है। तहरीर के आधार पर कोतवाली में मुकदमा पंजीकृत किया गया। मामले की विवेचना उप निरीक्षक कृष्णागिरी द्वारा संपादित की गई। विवेचना के दौरान एक सैंडी युवक को गौला नदी के पास से पकड़कर पूछताछ की तो उसने अपना नाम पता मुकेश वर्मा उर्फ चिकारा पुत्र विष्णु वर्मा निवासी धान मिल नियर चौकी मंडी बताया। तलाशी लेने पर उसके पास से चोरी किया गया आईफोन मोबाइल बरामद हुआ। पुलिस ने मुकेश को गिरफ्तार कर लिया।

निर्जला व्रत रख सुहागिनों ने मांगी पति की दीर्घायु

करवाचौथ पर्व पर मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी की धर्मपत्नी श्रीमती गीता धामी ने भी पति की दीर्घायु के लिए निर्जला व्रत रखकर देर शाम चंद्रमा को अर्घ्य अर्पित कर विधि-विधान से पूजा की और मुख्यमंत्री धामी के हाथों जल ग्रहण कर व्रत खोला।

रूद्रपुर (उद संवाददाता)। शुक्रवार को सुहागिन महिलाओं द्वारा करवा चौथ पर्व धार्मिक रीति रिवाज के साथ मनाया गया। प्रात: काल से ही महिलाओं ने निर्जला व्रत रख कर सायंकाल मंदिरों व अन्य स्थानों पर करवा चौथ की विधि विधान से पूजा अर्चना की। जिसके पश्चात रात्रि में उदय होते चन्द्रमां की रोशनी में पति के चहरे के छलनी में दर्शन कर पूजा अर्चना करने के साथ ही पति की दीर्घायु की कामना की। महिलाओं ने पति के हाथों से जल ग्रहण कर अपना व्रत तोड़ा। सनातन धर्म में करवा चौथ की पूजा का विशेष महत्व माना गया है। नगर के श्री लक्ष्मी नारायण मंदिर, श्री मनकामेश्वर मंदिर, श्री शिव शक्ति मंदिर, श्री दूधिया बाबा मंदिर, श्री दुर्गा मंदिर, श्री शिव मंदिर, मां अटरिया देवी मंदिर, श्री बृहस्पति देव मंदिर, श्री नव दुर्गा मंदिर, श्री वैष्णों देवी मंदिर, श्री चामुण्डा मंदिर आदि मंदिरों सहित अनेक आवासों में भी सुहागिन महिलाओं ने विधि विधान से करवा माता की कथा का श्रवण किया। रात्रि में चन्द्रमां के उदय होते ही सुहागिनों के चेहरों पर खुशी की लहर व्याप्त हो गई। वहीं लोगों द्वारा आतिशबाजी कर चन्द्रमां के उदय होने का जोरदार स्वागत किया गया। जिन सुहागिन महिलाओं के पति किन्ही कारणों से घरों में मौजूद नहीं थे उनकी पत्नियों द्वारा पति की फोटो के दर्शन कर व्रत तोड़ा गया और वीडियो को पति से शेयर किया। वहीं कई सुहागिन महिलाओं ने चन्द्रमां के दर्शन करने के बाद अपने पति के साथ सेल्फी भी ली। करवा चौथ व्रत को लेकर सभी सुहागिनों के चेहरों पर एक अलग ही खुशी दिखाई दे रही थी। वहीं **हल्द्वानी** में करवा चौथ पर्व यहां सुहागिन महिलाओं द्वारा हर्षोल्लास के साथ मनाया गया। नगर के श्री सत्यनारायण मंदिर, श्री दुर्गा मंदिर विष्णुपुरी, श्री राम मंदिर, लटूरिया बाबा आश्रम, बेलबाबा मंदिर, श्री कालू सिद्ध बाबा मंदिर, जगदम्बा मंदिर, मां वैष्णों मंदिर, श्री आंवलेश्वर महादेव मंदिर, काली चौड़ मंदिर, मां शीतला देवी मंदिर , श्री शिव मंदिर, श्री पंचमुखी हनुमान मंदिर आदि मंदिरों में सायंकाल महिलाओं ने करवा चौथ की पूजा की। रात्रि में उदय होते चन्द्रमा की पति के साथ पूजा अर्चना कर पति के हाथों जल ग्रहण कर अपने व्रत को पूर्ण किया। इस दौरान आसमान में चारों ओर रंगबिरंगी आतिशबाजी भी छोड़ी गई।

लक्ष्मी नारायण मंदिर में सुहागिनों ने की करवा चौथ पूजा

रुद्रपुर (उद संवाददाता)। श्री सनातन धर्म सभा के संरक्षण में संचालित श्री लक्ष्मी नारायण मंदिर में करवा चौथ का व्रत रखने वाली सौभाग्यवती महिलाओं के लिए पूजन तथा कथा का विशेष आयोजन किया गया। जिसमें श्री सनातन धर्म महिला मंडल की ओर से करवा चतुर्थी की कथा के साथ पूजन किया गया। नगर की सभी सौभाग्यवती महिलाओं ने अपने पति की दीर्घ आयु तथा परिवार में सभी प्रकार के सुख शान्ति के लिए भगवान गणपति का पूजन कर आर्शीवाद प्राप्त किया। भगवान गणपति से प्रार्थना की गई कि सौभाग्यवती स्त्रियों के पति की आयु तथा यश को वृद्धि कर स्वास्थ्य की हमेशा रक्षा करें। मंदिर को भव्य रूप में सजाया गया। सेवा करने वालों में सरपरस्त नन्द लाल भुड्डी, अध्यक्ष महेश बब्बर, ओमप्रकाश अरोरा, विजय जग्गा, तथा सभा के सभी पदाधिकारी व सदस्य, महिला मंडल की अध्यक्ष श्रीमति शशि अरोरा, श्रीमति राज तागरा, ललिता आदि उपस्थित रहे

कुमाऊँ मंडल की सभी सड़कों को गड्ढा मुक्त किया जाए

मंडलायुक्त ने की नगर निगम हल्द्वानी, रुद्रपुर एवं काशीपुर के अंतर्गत सड़कों को कराए जा रहे गड्ढा मुक्त कार्य की समीक्षा

हल्द्वानी। कुमाऊँ आयुक्त दीपक रावत द्वारा शुक्रवार को कैम्प कार्यालय हल्द्वानी में कुमाऊँ मंडल में सड़कों को गढ्ढामुक्त किए जाने हेतु कराए जा रहे कार्यों की प्रगति की समीक्षा की। बैठक में मंडल की सड़क निर्माण एजेंसियों के साथ ही हल्द्वानी, रुद्रपुर एवं काशीपुर नगर निगम के नगर आयुक्त भी मौजूद रहे। आयुक्त श्री रावत ने संबंधित विभाग , लोक निर्माण विभाग, राष्ट्रीय राजमार्ग, पीएमजीएसवाई एवं नगर निगम के अधिकारियों को निर्देश दिए की वह प्रत्येक दशा में आगामी 31 अक्टूबर तक सभी सड़क मार्गों को गड्ढामुक्त करना सुनिश्चित करें। इस हेतु प्रत्येक दिन की प्रगति की रिपोर्ट फोटोग्राफ सहित उन्हें उपलब्ध कराएंगे। आयुक्त ने मंडल के सभी जनपदों में खंडवार गड्ढा मुक्त सड़कों के कार्यों की प्रगति की जानकारी ली साथ ही उन्होंने नगर निगम हल्द्वानी, रुद्रपुर एवं काशीपुर के अंतर्गत सड़कों को कराए जा रहे गड्ढा मुक्त कार्य की भी समीक्षा की। इस दौरान किए जा रहे कार्यों के फोटोग्राफ भी देखे। उन्होंने कहा कि सड़कों में कराए जा रहे गड्ढामुक्त कार्य में गुणवत्ता व समय बद्धता का विशेष ध्यान रखा जाय। इस हेतु मुख्य अभियंता से लेकर अधीक्षण अभियंता स्तर तक के अधिकारी स्वयं भी मौके पर व जनपदों में जाकर कार्यों का स्थलीय निरीक्षण करेंगे। आयुक्त ने कहा कि नगरीय क्षेत्र में यह प्रयास रहे की आगामी दीपावली से पूर्व सभी सड़क मार्गों को गड्ढा मुक्त कर लिया जाए इस हेतु अधिक संख्या में मशीनरी लगाई जाय, साथी आयुक्त ने कहा कि मुख्य मार्ग के अतिरिक्त ग्रामीण सड़क मार्गों को भी प्राथमिकता से गड्ढा मुक्त कराया जाए। ग्रामीण मार्गो को गढ्ढा मुक्त किए जाने हेतु अतिरिक्त बजट की तुरंत मांग भी शासन को भेजी जाए। बैठक के दौरान मुख्य अभियंता नैनीताल द्वारा अवगत कराया गया कि जनपद नैनीताल एवं उधम सिंह नगर अंतर्गत 343 किलोमीटर लक्ष्य के सापेक्ष वर्तमान तक 162 किलोमीटर सड़क को गड्ढा मुक्त कर दिया गया है। इसी प्रकार मुख्य अभियंता क्षेत्र अल्मोड़ा अंतर्गत जनपद अल्मोड़ा, बागेश्वर, चंपावत एवं पिथौरागढ़ में कुल 1027 किलोमीटर लक्ष्य के सापेक्ष वर्तमान तक 480 किलोमीटर सड़क को गड्ढा मुक्त कर दिया गया है। अधीक्षण अभियंता पीएमजीएसवाई द्वारा अवगत कराया की मंडल अंतर्गत 635 किलोमीटर लक्ष्य के सापेक्ष वर्तमान तक 102 किलोमीटर सड़क मार्ग को गढ्ढा मुक्त कर दिया गया है। कार्य प्रगति पर है। एन एच से आए अधीक्षण अभियंता द्वारा अवगत कराया कि एन एच अंतर्गत मंडल में पांच प्रमुख सड़क मार्ग हैं,जिनमें से काठगोदाम-नैनीताल, काशीपुर- रामनगर, ज्यूलिकोट-भवाली-क्वारब एवं काशीपुर नगर अंतर्गत सड़के हैं इन सड़कों को गड्ढा मुक्त एवं मरम्मत कार्य कराया जाना है,इनमें कार्य प्रगति पर है। दीपावली के उपरांत लगभग अधिकांश सड़कों को गड्ढा मुक्त कर लिया जाएगा। बागेश्वर,पिथौरागढ़ एवं चंपावत अंतर्गत सड़कों को गड्ढा मुक्त कर लिया गया है। नगर निगम हल्द्वानी अंतर्गत सड़कों को किए जा रहे गड्ढा मुक्त कार्य की समीक्षा के दौरान आयुक्त नगर निगम हल्द्वानी द्वारा अवगत कराया की नगर अंतर्गत नगर निगम एवं लोक लोक निर्माण विभाग व यूयूएसडीए द्वारा सड़कों को गड्ढा मुक्त कराया जा रहा है। नगर निगम द्वारा 25 किलोमीटर लक्ष्य के सापेक्ष 4 किलोमीटर आंतरिक लिंक मार्गों को गड्ढा मुक्त कर दिया गया है और यूयूएसडीए द्वारा 217 किलोमीटर लक्ष्य के सापेक्ष से 180 किलोमीटर सड़क मार्ग को गड्ढा मुक्त कर दिया गया है। नगर निगम काशीपुर अंतर्गत किए जा रहे गद्दा मुक्ति सड़क कार्यों की समीक्षा के दौरान अवगत कराया की नगर निगम अंतर्गत 11.78 किलोमीटर लक्ष्य के सापेक्ष से 4.5 किलोमीटर सड़क मार्ग को गड्ढा मुक्त कर दिया गया है। इसी प्रकार नगर निगम रुद्रपुर अंतर्गत 10.77 किलोमीटर लक्ष के सापेक्ष वर्तमान तक 1.5 किलोमीटर सड़क मार्ग को गड्ढा मुक्त कर दिया गया है। आयुक्त नगर निगम रुद्रपुर ने अवगत कराया कि नगर की महत्वपूर्ण ट्रांजिट कैम्प सड़क को पक्का किए जाने का भी कार्य गतिमान है। बैठक में मुख्य अभियंता लोनिवि नैनीताल पी एस बृजवाल, मुख्य अभियंता पीएम जीएसवाई मोहम्मद आरिफ खान,अधीक्षण अभियंता एन एच हरीश चंद्र पांगती, अधीक्षण लोनिवि अल्मोड़ा हरीश कुमार शर्मा, नैनीताल मनोहर सिंह धर्मशक्तू, संयुक्त निदेशक अर्थ एवं संख्या कुमाऊँ ललित मोहन तिवारी,नगर आयुक्त हल्द्वानी ऋचा सिंह रुद्रपुर नरेश दुर्गापाल, काशीपुर रविन्द्र सिंह सहित पिथौरागढ़, चम्पावत, अल्मोड़ा, बागेश्वर व अन्य जनपदों से आए अधिकारी उपस्थित रहे।

कृषि क्षेत्र में आधुनिक तकनीक का उपयोग अत्यंत आवश्यक: राज्यपाल

राज्यपाल ने किया किसान मेले एवं उद्योग प्रदर्शनी का शुभारंभ,नव निर्मित सेमीकंडक्टर लैंब व आडिटोरियम का उद्घाटन भी किया

पंतनगर(उद संवाददाता)। महामहिम राज्यपाल ले0ज0 श्री गुरमीत सिंह ने 118वें कृषि कुम्भ किसान मेले एवं कृषि उद्योग प्रदर्शनी का फीता काटकर व दीप प्रज्वलित कर शुभारम्भ किया।अवसर पर 6 पुस्तकों का विमोचन किया गया व प्रगतिशील कृषकों को सम्मानित किया गया।महामहिम ने किसानों और वैज्ञानिकों को सम्बोधित करते हुए कहा कि आज इस पवित्र धरती, जिसे आधुनिक भारत में हरित क्रांति की जन्मस्थली कहा जाता है - गोविंद बल्लभ पंत कृषि एवं प्रौद्योगिक विश्वविद्यालय में आयोजित 118वें अखिल भारतीय किसान मेला एवं कृषि उद्योग प्रदर्शनी के अवसर पर अन्न दाताओं और आप सभी के मध्य उपस्थित होकर मैं अपने आप को अत्यंत गौरवान्वित महसूस कर रहा हूँ। उन्होंने मेले में आये सभी अन्नदाताओं, वैज्ञानिकों, उद्यमियों और विद्यार्थियों का अभिनंदन किया किया, जिनकी मेहनत, निष्ठा और नवाचार से कृषि क्षेत्र निरंतर नई ऊँचाइयों को छू रहा है। आप सब सच्चे अर्थों में राष्ट्र की धमनियों में प्रवाहित उस जीवन दायिनी शक्ति के प्रतिनिधि हैं, जो भारत को आत्मनिर्भर और समृद्ध बनाती है। इस शुभ अवसर पर विश्वविद्यालय द्वारा सेमीकंडक्टर लैब और निर्मित ऑडिटोरियम का उद्घाटन भी एक ऐतिहासिक क्षण है। निश्चित ही ये दोनों ही परियोजनाएँ आने वाले समय में कृषि अनुसंधान, नवाचार और तकनीकी संवाद को नई दिशा देंगी। महामहिम ने कहा कि भारतीय संस्कृति में किसान को सृष्टि का पोषक कहा गया है। कृषि हमारे देश की अर्थव्यवस्था की रीढ़ है। आज भी देश की लगभग आधी जनसंख्या प्रत्यक्ष या परोक्ष रूप से कृषि पर निर्भर है। कृषि केवल आजीविका नहीं, बल्कि हमारी संस्कृति, हमारी आत्मा और हमारे अस्तित्व का प्रतीक है। उन्होंने कहा कि उत्तराखण्ड जैसे पर्वतीय प्रदेश में कृषि का सामाजिक और सांस्कृतिक महत्व और भी अधिक है। यहाँ के लोग केवल खेती नहीं करते, बल्कि धरती को माँ और बीज को जीवन का बीजांकुर मानते हैं। श्री सिंह ने कहा कि उत्तराखण्ड एक कृषि प्रधान राज्य है और यहाँ की भौगोलिक एवं जलवायु विशेषताएँ इसे जैविक और प्राकृतिक खेती के लिए अत्यंत उपयुक्त बनाती हैं। उन्होंने कहा कि हमारा लक्ष्य है कि जैविक खेती के साथ-साथ प्राकृतिक खेती को भी जन-आंदोलन का रूप दिया जाए। मैं किसानों और वैज्ञानिकों का आह्वान करता हूँ कि इस आंदोलन में अपनी महत्वपूर्ण भागीदारी निभाएं। महामहिम ने कहा कि वर्तमान में विश्वविद्यालय में अध्ययनरत 4 हजार विद्यार्थियों में से लगभग 50 प्रतिशत छात्राएं हैं। जो बड़े ही प्रसन्नता का विषय है। स्थापना काल से अब तक यहां से लगभग 44 हजार विद्यार्थी डिग्री प्राप्त कर चुके हैं। मुझे खुशी है कि ये छात्र देश-विदेश में विश्वविद्यालय का नाम रोशन करते हुए नित नई-नई सफलता की गाथा लिख रहे हैं। महामहिम ने अन्नदाताओं से कहा कि भगवान भोलेनाथ के त्रिशूल की तरह उत्तराखण्ड के कृषि उद्योग की प्रगति और किसानों के सशक्तीकरण के तीन प्रमुख स्तंभ हैं। श्री अन्न की खेती, शहद उत्पादन और सगंध खेती। इन तीनों ही स्तंभों में हमारे प्रदेश के किसानों को आत्मनिर्भर बनाने की क्षमता है जो प्रदेश की आर्थिकी को नई मजबूती दे सकते हैं। श्री सिंह ने कहा कि जब तकनीक खेत तक पहुँचती है, तो किसान का जीवन सरल होता है, उसकी उत्पादकता बढ़ती है, और वह आत्मनिर्भरता की दिशा में एक सशक्त कदम बढ़ा पाता है। इसलिए वर्तमान समय में कृषि क्षेत्र में आधुनिक तकनीक का उपयोग अत्यंत आवश्यक है। नई-नई वैज्ञानिक विधियाँ, स्मार्ट कृषि उपकरण, सेंसर आधारित सिंचाई प्रणाली और ड्रोन सर्वे जैसे नवाचार न केवल किसानों का श्रम कम कर रहे हैं बल्कि उत्पादन और गुणवत्ता दोनों में वृद्धि कर रहे हैं। उन्होंने कहा कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी जी के नेतृत्व में कृषि क्षेत्र में अनेक ऐतिहासिक कदम उठाए गए हैं। महामहिम ने कहा कि विश्वविद्यालयों, अनुसंधान केन्द्रों और कृषि विज्ञान केन्द्रों के माध्यम से किसानों को प्रशिक्षण, बीज, तकनीक और विपणन सहायता उपलब्ध कराना राज्य सरकार की प्राथमिकता है। उन्होंने कहा कि हमारा राज्य न केवल पर्यटन और आध्यात्मिकता का केंद्र है, इसके साथ ही यह जैविक, प्राकृतिक और पर्वतीय कृषि का आदर्श मॉडल बन सकता है। विशिष्ट अतिथि श्री अजय भट्ट ने कृशकों के हित में विश्वविद्यालय के प्रयासों की प्रशंसा की और कृशि मेले के भव्य आयोजन के लिए हार्दिक बधाई दी। पंतनगर विश्वविद्यालय देश के किसानों के लिए एक प्रेरणा स्रोत है। यहाँ की तकनीकी उपलब्धियाँ और अनुसंधान कार्य किसानों को आत्मनिर्भर बनाने की दिशा में महत्वपूर्ण योगदान दे रहे हैं। प्रधानमंत्री के 'आत्मनिर्भर भारत' के संकल्प को साकार करने में किसान की भूमिका सबसे अहम है। विशिष्ट अतिथि श्री गणेश जोशी ने अपने उद्बोधन में कहा कि हम पहले विदेशों से अन्न का आयात करते थे जिसकी क्वालटी बहुत ही खराब होती थी परन्तु हम उसे खाने के लिए मजबूर थे। आज देश की 1.4 अरब जनसंख्या को ही नहीं अन्न मिल रहा बल्कि हमारे द्वारा 89 देशों को खाद्यान्न का निर्यात भी हो रहा है। उन्होंने विश्वविद्यालय को 361वें से 209वें रैंक पर लाने के लिए कुलपति के प्रयासों की प्रशंसा की। उन्होंने प्रधानमंत्री की योजनाओं के बारे बताते हुए किसान सम्मान निधि के माध्यम से किसानों के मनोबल को बढ़ाने की बात कही। उन्होंने बताया कि ड्रैगन फ्रूट, श्रीअन्न के बारे में नीतियाँ बनी है और उत्तराखण्ड में मखाने और सिंघाढ़े की खेती पर भी बल देना है तथा अन्नदाता को मजबूत करना है। प्रधानमंत्री के अन्तर्राश्ट्रीय मिलेट वर्श 2023 के मुहिम के कारण श्रीअन्न की विश्व स्तर पर मांग बढ़ी है और सभी अन्नों में मंडुवे का न्यूनतम समर्थन मूल्य सबसे अधिक है। उत्तराखण्ड राज्य बनने के बाद इसका क्षेत्रफल लगभग 2 लाख हैक्टेयर घटा है परन्तु खाद्यान्न उत्पादन में 3 लाख टन की वृद्धि हुई है। कुलपति डा. मनमोहन सिंह चौहान सभी अतिथियों का स्वागत करते हुए इस किसान मेले में पांच सौ से अधिक आये स्टाल के बारे में बताते हुए पंतनगर किसान मेले की महत्ता पर प्रकाश डाला। उन्होंने कहा कि हमारे वैज्ञानिक एवं विद्यार्थी पूरे तन-मन से समर्पण की भावना से योगदान दे रहे है और विश्वविद्यालय द्वारा विकसित तकनीकों को किसानों तक पहुंचाने के लिए सदैव तत्पर है। प्रारम्भ में निदेशक प्रसार शिक्षा डा. जितेन्द्र क्वात्रा द्वारा बताया गया कि मेले में पांच सौ से अधिक स्टाल लगे हैं और इस वर्ष 30 से 35 हजार कृषकों की मेले में आने की संभावना है। लगाये गये स्टालों में कृशि यंत्र, जैविक उत्पाद, पशुपालन, मधुमक्खी पालन, दुग्ध उत्पाद, पुश्प एवं सब्जी की नवीन प्रजातियाँ, ड्रोन तकनीक, सेंसर आधारित कृशि प्रणाली, तथा स्मार्ट कृशि उपकरणों का प्रदर्शन किया गया है। महिला स्वयं सहायता समूहों द्वारा घरेलू उत्पादों जैसे जैम, जेली, पापड़, अचार, बेकरी उत्पाद, बडियाँ, तथा हस्तशिल्प सामग्रियों का प्रदर्शन किया गया है। कार्यक्रम में विधायक शिव अरोरा, मेयर विकास शर्मा, पूर्व विधायक राजेश शुक्ला, विवेक सक्सेना, अमित नारंग, कुलपति ओपन विश्वविद्यालय प्रो0 नवीन चंद्र लोहनी, पदमश्री माधुरी बथवाल, डॉ जितेंद्र क्वात्रा, ए एस नैन, सुभाष चन्द्र, जिलाधिकारी नितिन सिंह भदौरिया, वरिष्ठ पुलिस अधीक्षक मणिकांत मिश्रा, एसीएमओ डॉ के के अग्रवाल, डैम बी एस चलाल, अपर जिलाधिकारी कौस्तूभ मिश्रा, एस पी सिटी डॉ उत्तम सिंह नेगी, सहित किसान बंधु, वैज्ञानिक, विद्यार्थी आदि मौजूद थे।

धान क्रय केन्द्रों पर किसानों को न हो कोई परेशानी: डीएम

समीक्षा बैठक में डीएम ने दिये दिशा निर्देश

रूद्रपुर (उद संवाददाता)। जिलाधिकारी नितिन सिंह भदौरिया ने कैम्प कार्यालय में धान खरीद की समीक्षा की। उन्होने उप जिलाधिकारियो को निर्देश दिये कि धान क्रय केन्द्र पर किसानो को किसी प्रकार की परेशानी न हो इसका ध्यान रखे। उन्होने कहा कि यदि कही धान क्रय केन्द्र बढ़ाने की आवश्यकता हो तो शीघ्र अवगत कराये ताकि जनपद मुख्यालय से अनुमति दी जा सकें। उन्होने कहा कि यदि पोर्टल पर किसी प्रकार की कोई परेशानी आती है तो मैनुअल तौर

पर किसानो के धान क्रय किया जाये। उन्होने उप जिलाधिकारियो को निर्देश दिये कि दीपावली के अवकाश को छोड़कर अन्य अवकाशों में किसानो का धान क्रय कराया जाये। उन्होने कहा कि धान क्रय केन्द्रो पर बारदाना आदि सभी तैयारी रखी जाय। अपर जिलाधिकारी पंकज उपाध्याय ने बताया कि जनपद में 254 धान क्रय केन्द्र खोले गये है। जिसमे यूसीएफ के 178, एनसीसीएफ के 13, खाद्य विभाग के 27, उत्तराखण्ड उपभोक्ता सहकारी संघ लि0 के 11 व पीसीयू के 25 धान क्रय केन्द्र है। बैठक में वरिष्ठ पुलिस अधीक्षक मणिकांत मिश्रा, अपर जिलाधिकारी कौस्तुभ मिश्र, ओसी गौरव पाण्डेय, सम्भागीय खाद्य नियंत्रक लता मिश्रा, मुख्य कृषि अधिकारी डॉ0 अभय सक्सेना, एआर कोआपरेटिव हरीश चन्द्र खण्डूरी आदि उपस्थित थे व सभी उप जिलाधिकारी, वर्चुअल के माध्यम से जुड़े थे।

ट्रांजिट कैम्प क्षेत्र को नगर निगम ने दी सड़क की सौगात

महापौर ने सांसद भट्ट और विधायक के साथ किया सड़क का शिलान्यास

रुद्रपुर। नगर निगम की ओर से वार्ड संख्या 10 के ठाकुरनगर, गोल मड़ैया, मुकेश ज्वेलर्स के सामने सड़क निर्माण कार्य का शिलान्यास सांसद अजय भट्ट, महापौर विकास शर्मा और विधायक शिव अरोरा ने सैकड़ों लोगों की मौजूदगी में संयुक्त रूप से किया। कार्यक्रम में स्थानीय नागरिकों ने तीनों जनप्रतिनिधियों का फूल-मालाओं से गर्मजोशी से स्वागत किया और सड़क निर्माण के लिए आभार प्रकट किया। इस अवसर पर महापौर विकास शर्मा ने कहा कि यह सड़क क्षेत्र के लिए बहुप्रतीक्षित मांग रही है, जो अब पूरी हो रही है। उन्होंने बताया कि करीब 400 मीटर लंबी सड़क का निर्माण 1.30 करोड़ की लागत से किया जा रहा है, जिससे स्थानीय लोगों को आवागमन में हो रही परेशानी से राहत मिलेगी। महापौर ने कहा कि शहर में ट्रिपल इंजन की सरकार केंद्र, राज्य और स्थानीय निकाय मिलकर विकास की रफ्तार को तेज कर रही है। उन्होंने कहा कि जनता से किए गए हर वादे को प्राथमिकता के साथ पूरा किया जा रहा है। उन्होंने बताया कि हाल ही में ट्रांजिट कैंप क्षेत्र में स्ट्रीट लाइट लगाने का कार्य पूर्ण हो चुका है, जल्द ही 1.59 करोड़ की लागत से रजत जयंती पार्क को जनता को समर्पित किया जाएगा। साथ ही, अगले सप्ताह से क्षेत्र में 'आयुष्मान आरोग्य मंदिर' शुरू होगा, जिससे आमजन को निःशुल्क स्वास्थ्य सेवाएं उपलब्ध होंगी। महापौर ने बताया कि इसी महीने नगर निगम का जोनल कार्यालय भी ट्रांजिट कैंप में खोला जाएगा, जिससे नागरिकों को निगम से जुड़ी सेवाएं स्थानीय स्तर पर ही मिल सकेंगी। क्षेत्र में ठेली व्यापारियों के लिए वेंडिंग जोन, शिव नगर मोड़ पर शॉपिंग कॉम्प्लेक्स और पार्किंग, और सभी पार्कों का सौंदर्यीकरण भी प्रस्तावित है। उन्होंने कहा कि रुद्रपुर का कोई भी वार्ड विकास से अछूता नहीं रहेगा। सांसद अजय भट्ट ने इस अवसर पर कहा कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी और मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी के नेतृत्व में उत्तराखंड में हर क्षेत्र को विकास की मुख्यधारा से जोड़ा जा रहा है। उन्होंने कहा कि रुद्रपुर नगर में जो विकास कार्य हो रहे हैं, वे इस बात का प्रमाण हैं कि जब तीनों स्तर की सरकारें एक दिशा में काम करती हैं, तो नतीजे तेजी से सामने आते हैं। भट्ट ने कहा कि केंद्र सरकार की योजनाओं को जमीनी स्तर पर उतारने में रुद्रपुर के जनप्रतिनिधियों की भूमिका उल्लेखनीय रही है। उन्होंने विश्वास दिलाया कि आने वाले समय में रुद्रपुर न सिर्फ औद्योगिक रूप से, बल्कि सामाजिक और आधारभूत ढांचे के लिहाज से भी उत्तराखंड के अग्रणी शहरों में शामिल होगा। विधायक शिव अरोरा ने अपने संबोधन में कहा कि जिस तरह से रुद्रपुर विधानसभा क्षेत्र में योजनाबद्ध और व्यापक विकास कार्य हो रहे हैं, वह जनता के विश्वास और समर्थन का ही परिणाम है। उन्होंने कहा कि हमारा उद्देश्य केवल उद्घाटन और शिलान्यास करना नहीं, बल्कि हर कार्य को समयबद्ध ढंग से पूरा कराना है।कार्यक्रम के दौरान नगर आयुक्त नरेश दुर्गापाल, दर्जा राज्य मंत्री उत्तम दत्ता, भाजपा वरिष्ठ नेता भारत भूषण चुघ, भाजपा मंडल अध्यक्ष धीरज गुप्ता, मंडल उपाध्यक्ष गोविंद शर्मा, मंडल अध्यक्ष सुनील ठुकराल, महामंत्री पारस चुघ, दिलीप अधिकारी, पार्षद मुकेश रस्तोगी, पार्षद पवन राणा, राधेश शर्मा, राजेश, जग्गा, एमपी मौर्या, मानवेन्द्र रॉय, कैलास राठौर, राजेंद्र, निमित्त शर्मा, आशा मुंजाल, सरोज चौहान, सहित सैकड़ों भाजपा कार्यकर्ता और स्थानीय निवासी उपस्थित रहे।

उत्तरांचल दर्पण सम्पादकीय
सत्यम् शिवम् सुन्दरम्

डिजिटल धोखाधड़ी का जाल

तेजी से बदलते दौर में नई तकनीकों के उपयोग को वक्त की जरूरत के तौर पर देखा जा रहा है। इसी क्रम में आम जिंदगी में संवाद से लेकर पढ़ाई-लिखाई और लेन-देन जैसे तमाम मामले अगर डिजिटल तकनीक के दायरे में आ रहे हैं तो यह स्वाभाविक है। इसी के मद्देनजर 'डिजिटल इंडिया' का नारा भी दिया गया, ताकि ज्यादा से ज्यादा लोग इंटरनेट आधारित तकनीकों के उपयोग के प्रति आकर्षित हों। विडंबना यह है कि जिस तेजी के साथ डिजिटल यंत्रों का उपयोग बढ़ा है, उसी अनुपात में इसमें सुरक्षित गतिविधियों का ढांचा विकसित नहीं हुआ है।इससे उपजने वाले जोखिम रोज नए और जटिल स्वरूप में सामने आ रहे हैं। अमूमन हर रोज देश के किसी हिस्से से डिजिटल धोखाधड़ी की खबरें आती हैं और उसमें किसी की मेहनत की कमाई के लाखों रुपए अलग-अलग तरीके से लूट या उड़ा लिए जाते हैं। ऐसे मामले आम हैं, जिनमें सिर्फ किसी को फोन पर की जाने वाली बातचीत में उलझा कर उसे धोखाधड़ी का शिकार बनाया गया। जबकि एप्स सब्सकिप्शन में ऑटो पे के जरिये भी लोगों से धोखाधड़ी हो रही है। सवाल है कि अगर देश में आधुनिक तकनीकों का विस्तार किया जा रहा है तो क्या इससे बचाव के इंतजामों को भी उतना ही अहम माना जा रहा है। गौरतलब है कि बुधवार को भारतीय रिजर्व बैंक के गवर्नर ने यह कहा कि डिजिटल धोखाधड़ी हमारे लिए एक गंभीर समस्या बनती जा रही है, इसलिए इस पर अंकुश लगाने के लिए ठोस प्रयास किए जाने की जरूरत है। हालांकि डिजिटल फर्जीवाड़े के मामलों में कोई अचानक उफान नहीं आया है, बल्कि पिछले कुछ वर्षों से लगातार ऐसी घटनाएं सामने आ रही हैं, जिससे यह साफ है कि आधुनिक तकनीक जितनी सुविधाजनक है, उतना ही यह जोखिम का वाहक भी बन रही है। किसी के मोबाइल पर एक अनजान नंबर से फोन आता है और वह व्यक्ति बातों के जाल में इस कदर फंस जाता है कि अपने बैंक खाते से खुद ही लाखों रुपए भेज देता है। इसके कुछ ही पल बाद जब उसे अपने साथ हुई धोखाधड़ी के बारे में पता चलता है, तब तक देर हो चुकी होती है। पिछले कुछ समय से ऐसे मामले आम होते देखे गए हैं, जिसमें अनजान नंबर से आए फोन काल के जरिए किसी व्यक्ति को डरा-धमका कर 'डिजिटल कैद' की स्थिति में डाल दिया जाता है और फिर भयादोहन करके उसके बैंक खाते में जमा रकम को उड़ा लिया जाता है। अब ऐसी घटनाएं कोई नई नहीं रह गई हैं, लेकिन इसमें तेजी से होते इजाफे ने यह सवाल पैदा किया है कि जिन डिजिटल संसाधनों का विकास सुविधाजनक और सुरक्षित लेनदेन और अन्य गतिविधियों के लिए किया गया, आज उसी से उपजे खतरे से निपटने के तौर-तरीके आम क्यों नहीं हो पा रहे हैं। हैरानी की बात यह है कि आर्थिक भ्रष्टाचार से लेकर अन्य आपराधिक गतिविधियों पर लगाम लगाने या उन्हें खत्म करने के दावे के साथ डिजिटल दुनिया का विस्तार किया गया, कुछ जगहों पर व्यवहार में इसे अनिवार्य बना दिया गया, मगर आज हालत यह है कि सख्त कानूनों के बावजूद फर्जीवाड़ा करने वाले गिरोह साइबर संजाल में रोज नए तरीके अपना कर आम लोगों को अपना शिकार बना रहे हैं।

विरासत साधना की महफिल में बिखरे सुर, नृत्य और संस्कृति के रंग

देहरादून(उद संवाददाता)। ओएनजीसी के डॉ. भीमराव अंबेडकर स्टेडियम में आयोजित "विरासत महोत्सव" की सांस्कृतिक संध्या आज विविध रंगों से सराबोर रही। कत्थक और भरतनाट्यम जैसी शास्त्रीय नृत्य शैलियों से लेकर अंतरराष्ट्रीय लोक प्रस्तुतियों तक, हर प्रस्तुति ने दर्शकों को मंत्रमुग्ध कर दिया। कार्यक्रम की शुरुआत देहरादून के विभिन्न प्रतिष्ठित स्कूलों और संस्थानों से आए विद्यार्थियों की नृत्य प्रस्तुतियों से हुई। लतिका रॉय फाउंडेशन और राफेल राइडर चेशायर इंटरनेशनल सेंटर के ऑटिज्म से पीड़ित बच्चों द्वारा प्रस्तुत सामूहिक कथक ने दर्शकों का दिल छू लिया। इसके बाद अनाहत अकादमी ऑफ कथक की अदिति भट्ट, ग्राफिक एरा यूनिवर्सिटी की हर्षिता मेहता, देहरादून वर्ल्ड स्कूल की सिद्धि भट्ट, और चिल्ड्रेन्स एकेडमी स्कूल की नव्या गुप्ता सहित अन्य छात्राओं ने कत्थक और भरतनाट्यम की शानदार प्रस्तुतियाँ दीं। कार्यक्रम की खास बात रही यूनाइटेड इंडिया इंश्योरेंस कंपनी लिमिटेड के अध्यक्ष-सह-प्रबंध निदेशक भूपेश एस. राहुल की उपस्थिति, जिन्होंने नृत्य प्रस्तुतियों की

सराहना करते हुए सभी कलाकारों को शुभकामनाएं दीं। शाम होते-होते मंच पर उतरे किर्गिस्तान के लोक कलाकारों ने अपने पारंपरिक वाद्ययंत्रों और गीतों के साथ दर्शकों को वैश्विक लोकधुनों से परिचित कराया। विशेष आकर्षण रहा हिंदी गीत "गोरों की न कालों की, ये दुनिया है दिलवालों की" पर उनकी प्रस्तुति, जिसने पूरा पंडाल झूमने पर मजबूर कर दिया। किर्गिज लोक ऑर्केस्ट्रा का नेतृत्व साबिरबायेव अमदिरासुल ने किया, जिनकी अगुवाई में कोमुज, चूर, दुम्बिरा और वायलिन जैसे पारंपरिक वाद्य यंत्रों की झंकार सुनाई दी। इसके बाद मंच संभाला युवा वायलिन वादक यज्ञेश रायकर ने। उन्होंने राग मारू बीजद में विलम्बित एकताल और तीनताल में ख्याल की प्रस्तुति दी। तबले पर शुभ महाराज, तानपुरा पर अभिज्ञान भट्ट और प्रज्ञा विवेक ने संगत की। यज्ञेश रायकर, पंडित मिलिंद रायकर के पुत्र और शिष्य हैं और उन्होंने किशोरी अमोनकर, आनंद पेडणेकर और वसंतराव कडणेकर जैसे महान गुरुओं से संगीत सीखा है। शास्त्रीय संगीत की ऊँचाइयों को छूते हुए मंच पर पहुंचे पं. ओंकार दादरकर, जिनकी राग जयजयवंती में दी गई गायन प्रस्तुति ने श्रोताओं को अभिभूत कर दिया। उनके साथ हारमोनियम पर पं. धर्मनाथ मिश्र, तबले पर मिथिलेश झा और तानपुरा पर मोईन खान व अभिज्ञान भट्ट ने संगत की। ओंकार दादरकर को उस्ताद बिस्मिल्लाह खान युवा पुरस्कार और आदित्य विक्रम बिड़ला पुरस्कार से सम्मानित किया जा चुका है।

सिक्स सिग्मा के छात्रों ने किया इलेक्ट्रिकल पावर हाउस भ्रमण

रूद्रपुर (उद संवाददाता)।सिक्स सिग्मा कॉलेज ऑफ इंजीनियरिंग के इलेक्ट्रिकल इंजीनियरिंग तृतीय वर्ष एवं प्रथम वर्ष के छात्र-छात्राओं ने क्षेत्र के प्रतिष्ठित सब-स्टेशन इलेक्ट्रिकल पावर हाउस, रुद्रपुर का शैक्षणिक भ्रमण किया। इस भ्रमण का आयोजन रजत धवन (ट्रेनिंग एंड प्लेसमेंट हेड) के नेतृत्व में किया गया ।इस भ्रमण का उद्देश्य छात्रों को विद्युत ऊर्जा के संचारण एवं वितरण की व्यावहारिक जानकारी प्रदान करना था। भ्रमण के दौरान छात्रों ने स्विचगियर डिवाइस के संचालन और विद्युत प्रवाह को नियंत्रित करने की प्रक्रिया को समझा । साथ ही, उन्होंने

ट्रांसफॉर्मर की कार्य प्रणाली एवं विद्युत संचारण में उनकी भूमिका के बारे में विस्तृत जानकारी प्राप्त की इस औद्योगिक भ्रमण के माध्यम से छात्रों को कक्षा में सीखे गए सैद्धांतिक ज्ञान को वास्तविक परिस्थितियों में देखने और समझने का अवसर मिला, जिससे उनके तकनीकी ज्ञान और आत्मविश्वास में वृद्धि हुई । भ्रमण के दौरान गीता आर्य तथा प्रियरंजन तिवारी द्वारा छात्रों का मार्गदर्शन किया और उन्हें व्यवहारिक अनुभव से सीखने हेतु प्रेरित किया । कार्यक्रम की सफलता पर संस्थान के अध्यक्ष ललित सिंह बिष्ट, चेयरमैन राजेश डावर, को-चेयरमैन प्रीत ग्रोवर, प्रबंध निदेशक सी.ए. शिव अरोरा, प्रबंध निदेशिका डॉ. सीमा अरोरा, मैनेजमेंट मेंबर वंश डावर, शौर्य अरोरा तथा सभी शिक्षक- शिक्षिकाओं ने बधाई एवं शुभकामनाएँ प्रेषित कीं ।

बीएमएस प्रोजेक्ट द्वारा प्रदान पांच हेल्थ एटीएम जनता को समर्पित

विधायक पार्वती दास ने किया हेल्थ एटीएम का शुभारंभ

बागेश्वर(उद संवाददाता)। गुजरात के प्रमुख व्यवसायी व जिले के बमराड़ी निवासी बीएमएस प्रोजेक्ट के स्वामी भुवन गिरी गोस्वामी द्वारा जिला प्रशासन को समय समय पर जनहित हेतु जनता को उचित स्वास्थ मिल सके इसके लिए उचित सहयोग दिया जा रहा है। बीएमएस प्रोजेक्ट के स्वामी द्वारा स्वास्थ सेवाओं में सुधार हेतु दान राशि जिला प्रशासनको देकर पांच हेल्थ एटीएम जनता को समर्पित कर दिए गए हैं। प्राथमिक स्वास्थ्य केंद्र रवाईखाल में पांच हेल्थ एटीएम का शुभारंभ स्थानीय विधायक पार्वती दासद्वारा किया गया।विधायक ने कहा कि गोस्वामी परिवार द्वारा जनपद के स्वास्थ्य क्षेत्र में महत्वपूर्ण योगदान दिया जाता रहा है। उन्होंने प्रशासन व स्वास्थ्य विभाग से हेल्थ एटीएम का लाभ जनता को पहुंचाने को कहा।प्राथमिक स्वास्थ्य केंद्र रवाईखाल, फरसाली, दोफाड़ देवनाई, घिंघारतोला व दोफाड़ स्वास्थ्य केंद्र व रवाईखाल के हेल्थ एटीएम का प्रास्वाकेंद्र रवाईखाल में शुभारंभ किया। विधायक पार्वतीदास

ने कहा कि गोस्वामी परिवार द्वारा अपने माता-पिता जमुना- किशन गिरी गोस्वामी की प्रेरणा से जनपद में स्वास्थ्य सुविधा को बेहतर बनाने में योगदान दिया गया है। जिसे भुलाया नहीं जा सकता है। बताया कि कोविड काल में राज्य का पहला निजी आक्सीजन प्लांट व आक्सीजन कंस्टेनेटर प्रदान किए। अब तत्कालीन जिलाधिकारी अनुराधा पाल व पूर्व सीएमओ बीडी जोशी के अनुरोध पर स्वास्थ्य सुविधा हेतु 40 लाख रूपये प्रशासन को दिए जिससे प्रशासन ने पांच हेल्थ एटीएम प्रदान किए। दानदाता भुवन गोस्वामी व गोपाल गोस्वामी की बहन सामाजिक कार्यकर्ता रेखा गोस्वामी ने कहा कि उनके भाईयों द्वारा माता-पिता की प्रेरणा से कई जनहित कार्य किए जा रहे हैं इन्हें भविष्य में भी जारी रखा जाएगा। बताया कि अब तक वह जनपद में डेढ़ करोढ़ से अधिक राशि स्वास्थ्य आदि सुविधा में खर्च कर चुके हैं। मुख्य चिकित्साधिकारी डा कुमार आदित्य तिवारी ने गोस्वामी परिवार का आभार व्यक्त किया। उपजिलाधिकारी प्रियंका रानी ने प्रशासन की ओर से आभार व्यक्त किया। इस दौरान बीएमएस प्रोजेक्ट प्राइवेट लिमिटेड के प्रतिनिधि और वरिस्ठ पत्रकार अशोक लोहनी, विधायक प्रतिनिधि भाष्कर दास,अपर मुख्य चिकित्साधिकारी डा दीपक कुमार, क्षेत्र पंचायत सदस्य मनीष कुमार, भगवत नेगी, अंकित नगरकोटी, ग्रामीण आदि उपस्थित थे। संचालन अनूप कांडपाल ने किया।

करवा चौथ पर महिलाओं ने मंदिरों में पूजा अर्चना

बागेश्वर(उद संवाददाता)। जिले में करवा चौथ पर्व भक्तिमय होकर बड़े हर्षोल्लास के साथ मनाया गया।बागेश्वर, गरुड़ कपकोट सहित अन्य स्थानो में महिलाओं ने अपने सुहाग की दीर्घायु और उनकी मनोकामना पूर्ति हेतु पूजा अर्चना के साथ व्रत रखा।कपकोट के वार्ड संख्या दो तिरूवाण में विगत 35 वर्षों से महिलाए धूमधाम से पर्व को मनातीं आई है यहां पूर्व में कुंती देवी जो इस

पर्व को अपने गांव की महिलाओं के लिए लाई थी।वहीं शुरुआत के दिनों में केवल पांच ही महिलाएं इस कार्यक्रम में शामिल होती थी वहीं देखते ही देखते अब सभी महिलाओं द्वारा पर्व मनाया जा रहा है। जमुना देवी ने बताया की गांव की सबसे बुजुर्ग महिला है शुरुआत में कोई भी संस्कृति लाना बड़ा कठिन था शुरूआत के दिनों में लोगों को पर्व के महत्व का पता नही था पर अब देखते ही देखते काफी संख्या में महिलाएं हिस्सा ले रही। वहीं पूर्व क्षेत्र पंचायत सदस्य आशा तिरूवा ने बताया कि 90 के दशक में जब सोशल मीडिया का समय नहीं था पर आज सोशल मीडिया में देखते हुए भी एक दूसरे को देखकर इस पर्व में शामिल होती है।इस मौके पर खुशी ने बताया कि उनका आज ये पहला व्रत है जिनको लेकर वो काफी उत्साहित हैं।इस मौके पर हेमा, ज्योति, आरती, पूजा, कोमल, कमला, लक्ष्मी देवी सहित अन्य महिलाएं मौजूद थे।वही बागेश्वर में बागनाथ मंदिर में व्रती महिलाओं ने पूजा अर्चना कर अपने पतियों की लंबी आयु की कामना हेतु पूजा अर्चना की।और चांद का दीदार होने पर अपना व्रत तोड़ा।

थल में अल्मोड़ा अर्बन को ऑपरेटिव बैंक शाखा का शुभारंभ

बैंक अध्यक्ष सीए महेश चंद्र जोशी ने किया उद्घाटन

अल्मोड़ा(उद संवाददाता)। अल्मोड़ा अर्बन बैंक को-ऑपरेटिव बैंक लिमिटेड की 63 वीं शाखा का थल में शुभारंभ हुआ है। शाखा का उद्घाटन करते हुए बैंक अध्यक्ष महेश चंद्र जोशी द्वारा बैंक की प्रगति की प्रशंसा की। कहा कि थल में बैंक की शाखा खुल जाने से क्षेत्र में विकास के नए आयाम स्थापित होंगे। वहीं, बैंक के महाप्रबंधक बीएस मेहता द्वारा सभी जनता से बैंक के सेवाओं का लाभ उठाने का आह्वान किया गया। बताया कि वर्ष 2025-26 में बैंक की दो और नई शाखाएं अपना कार्य व्यवसाय प्रारंभ कर लेगी। कहा कि इन शाखाओं के खुलने से बैंक की संपूर्ण उत्तराखंड में 65 शाखाएं हो जाएंगी। उन्होंने बताया कि बैंक का कुल कार्य व्यवसाय लगभग

600 करोड़ है। इसके लिए उन्होंने सभी ग्राहकों का आभार व्यक्त किया गया। यहां अधिवक्ता प्रीतम सिंह कार्की, भूपाल सिंह सत्याल, हरीश चंद्र भट्ट, मनोहर सिंह सत्याल, गंगा सिंह मेहता, शाखा प्रमुख जतिन सिंह आदि मौजूद रहे।

अल्मोड़ा में कृमि मुक्ति दिवस का हुआ शुभारंभ

अल्मोड़ा(उद संवाददाता)।अल्मोड़ा में राष्ट्रीय कृमि मुक्ति दिवस का शुभारंभ हो गया है। कार्यक्रम के तहत कृमि रोग से होने वाले नुकसानों की जानकारी दी गई। बताया कि जिलेभर में एक लाख 18 हजार 407 बच्चों को कृमि नियंत्रण के लिए दवा खिलाई जाएगी। कार्यक्रम में चिकित्सकों ने कहा कि पेट के कीड़ों से बच्चों में खून की कमी की समस्या आती है। इससे कमजोरी होती है और पढ़ाई पर असर पड़ता है। बच्चों को इसकी दवा समय-समय पर देना जरूरी है। समय-समय पर दवा देने से बच्चे स्वस्थ रहते हैं और उनका विकास बेहतर होता है। साथ ही बताया कि अभियान के तहत सभी आंगनबाड़ी केंद्रों, विद्यालयों, पॉलीटेक्निक और आईटीआई संस्थानों में दवा दी जाएगी। जो बच्चे किसी कारणवश दवा नहीं ले पाएंगे उनके लिए 15 अक्तूबर को मॉप-अप डे आयोजित किया जाएगा और इस दिन उन्हें दवा दी जाएगी। यहां एसीएमओ डॉ. योगेश पुरोहित, बाल रोग विशेषज्ञ डॉ. पल्लवी, स्त्री रोग विशेषज्ञ डॉ. कृतिका, जिला कार्यक्रम प्रबंधक दीपक भट्ट, कामना चुपडाल, गोकुलानंद जोशी आदि रहे।

विज्ञान संगोष्ठी प्रतियोगिता में योगिता आयुषी और नकुल ने किया नाम रोशन

किच्छा(उद संवाददाता)। नगर स्थित पीएमश्री राजकीय उच्चतर माध्यमिक विद्यालय में जनपद स्तरीय विज्ञान संगोष्ठी प्रतियोगिता का आयोजन किया गया। नगर के बरेली मार्ग स्थित माध्यमिक विद्यालय में आयोजित विज्ञान संगोष्ठी कार्यक्रम में बतौर मुख्य अतिथि मुख्य शिक्षा अधिकारी हरेंद्र कुमार मिश्रा एवं विद्यालय के प्रधानाचार्य माधवेंद्र कुमार सारस्वत ने संयुक्त रूप से मां सरस्वती के चित्र के सम्मुख दीप जलाकर कार्यक्रम का शुभारंभ किया। प्रधानाचार्य सारस्वत ने कार्यक्रम में पहुंचे सभी अतिथियों का स्वागत बैच अलंकरण एवं उन्हें स्मृति चिन्ह भेंटकर सम्मानित किया। जनपद विज्ञान समन्वयक श्रीमती विनीता जगदीश चौधरी के दिशा निर्देशन में जिला स्तरीय विज्ञान संगोष्ठी प्रतियोगिता संपन्न हुई तथा उनके द्वारा ब्लॉक के मार्गदर्शक शिक्षकों एवं छात्र-छात्राओं को प्रतियोगिता के नियम व शर्तों की विस्तार से जानकारी देते हुए प्रतिभागियों से पूरे उत्साह के साथ प्रतियोगिता में प्रतिभाग करने का आह्वान किया गया। प्रतियोगिता में उधम सिंह नगर जिले के 14 विद्यालयों के प्रथम एवं द्वितीय स्थान प्राप्त करने वाले छात्र-छात्राओं ने प्रतिभाग किया और दो चरणों में प्रतियोगिता संपन्न हुई। पहले चरण में प्रतिभागी छात्र-छात्राओं ने 10 अंकों के लिए लिखित परीक्षा एवं दूसरे चरण में 90 अंकों के लिए प्रस्तुतीकरण प्रतियोगिता में हिस्सा लिया। जिला स्तरीय प्रतियोगिता में जसपुर के रामपाल सिंह विद्या मंदिर इंटर कॉलेज की योगिता कश्यप ने प्रथम स्थान, खटीमा के सर्राफ पब्लिक स्कूल की आयुषि जोशी

ने द्वितीय स्थान तथा झनकट के गुरुकुल अकादमी के छात्र नकुल बोरा ने तीसरा स्थान प्राप्त किया। जिला समन्वयक विनीता जगदीश चौधरी ने बताया कि विजई तीनों प्रतिभागी अब पिथौरागढ़ में आयोजित राज्य स्तरीय प्रतियोगिता में अपनी प्रतिभा का प्रदर्शन करेंगे। मुख्य शिक्षा अधिकारी हरेंद्र मिश्रा ने प्रथम, द्वितीय एवं तृतीय स्थान प्राप्त करने वाले मेधावी प्रतिभागियों का उत्साह वर्धन करते हुए उन्हें प्रमाण पत्र एवं स्मृति चिन्ह भेंट कर सम्मानित किया। कार्यक्रम का सफल संचालन हेमंत पांडे द्वारा किया गया। जबकि निर्णायक के रूप में पंतनगर विश्वविद्यालय के प्रोफेसर डॉ गगन दीक्षित, सेवानिवृत्त प्रधानाचार्य गौरेंद्र मधुकर चतुर्वेदी, डायट प्रवक्ता भूपाल सिंह नेगी उपस्थित रहे। कार्यक्रम में एस. के. एम. ए. इंटर कॉलेज के प्रधानाचार्य मुकेश अग्रवाल, निर्मल कुमार नियोलिया, ताजमुल हसन, सुरेश उप्रेती, आमोद सक्सेना, आनंद नाथ, फैज अहमद खान, सतनाम सिंह, ओमप्रकाश वर्मा, भावना देवी, वैशाली जोशी, देवेंद्र चौहान, हेमंत पांडे, हेम पांडे, जीवन पाठक, पूजा चौहान आदि मौजूद रहे।

विश्व उपशामक देखभाल दिवस

(World Hospice & Palliative Care Day)

दिनांक : शनिवार, 11 अक्टूबर, 2025

सम्मान और करुणा: हर जीवन अनमोल है

उपशामक देखभाल क्या है?

उपशामक देखभाल एक विशेष चिकित्सा देखभाल है जो गंभीर बीमारी (जैसे कैंसर, हृदय रोग, किडनी रोग, एड्स या वृद्धावस्था की जटिलताएँ) से पीड़ित व्यक्ति और उसके परिवार को दी जाती है। यह केवल बीमारी के अंतिम चरण के लिए नहीं है; इसे रोग के निदान (Diagnosis)के समय से ही, मुख्य उपचार के साथ शुरू किया जा सकता है।

उपशामक देखभाल के मुख्य लाभ

1. **दर्द और कष्ट से मुक्ति:** शारीरिक लक्षणों जैसे दर्द, उल्टी और साँस लेने में तकलीफ का प्रभावी प्रबंधन।
2. **भावनात्मक सहारा:** मरीज और परिवार की चिंता, डर और मानसिक तनाव को कम करने में मदद।
3. **सम्मानजनक जीवन:** मरीज को अपनी पसंद के अनुसार,आत्म-सम्मान के साथ शेषजीवन जीने में सक्षम बनाना।
4. **पारिवारिक समर्थन:** देखभाल करने वालों को प्रशिक्षित करना और उन्हें भावनात्मक सहयोग देना।

थीम 2025: 'वादा पूरा करना: उपशामक देखभाल तक सार्वभौमिक पहुंच

("Achieving the Promise: Universal Access to Palliative Care")

भारत में लाखों लोगों को उपशामक देखभाल की आवश्यकता है, लेकिन बहुत कम लोगों को यह सुविधा मिल पाती है। हमें यह सुनिश्चित करना होगा कि किसी भी व्यक्ति को दर्द में अकेला न छोड़ा जाए

आप कैसे सहयोग कर सकते हैं?

जागरूकता फैलाएं: अपने आस-पास के लोगों को उपशामक देखभाल के महत्व के बारे में बताएं।
दान करें: उपशामक देखभाल सेवाएँ प्रदान करने वाली संस्थाओं को आर्थिक सहायता दें।
स्वयंसेवक बनें: मरीजों और उनके परिवारों को भावनात्मक और व्यावहारिक समर्थन प्रदान करें।

याद रखें, उपचार से बढ़कर है देखभाल

(डॉ0के0के0 अग्रवाल)
मुख्य चिकित्सा अधिकारी
उधम सिंह नगर।

(श्री नितिन सिंह भदौरिया)
जिला अधिकारी
उधम सिंह नगर।

पत्रांक: एन0एच0एम0/प्रचार/25-26/5760 दिनांक 09.10.2025

नाले में रास्ता निर्माण की मांग को महिलाएं मुखर

अल्मोड़ा(उएद संवाददाता)। नाले पर रास्ता बनाने की मांग को लेकर लक्ष्मेश्वर वार्ड की महिलाएं मुखर हो गई है। शुक्रवार को महिलाओं के एक शिष्टमंडल ने मेयर से मुलाकात कर मामले को लेकर ज्ञापन सौंपा। जल्द नाले पर रास्ता बनाने की मांग उठाई। ज्ञापन में महिलाओं ने कहा कि नगर निगम की ओर से लोगों की आवाजाही

के लिए नाले पर रास्ते का निर्माण किया गया था। इसके बाद सिंचाई विभाग ने फिर से नाले का निर्माण किया और रास्ते को तोड़ दिया। इसके कारण अब लोगों को परेशानी का सामना करना पड़ रहा है। कहना है कि यह लोगों की आवाजाही का एकमात्र साधन है। इसी के तोड़ दिए जाने से लोगों को आवाजाही का विकल्प नहीं है। उन्होंने नगर निगम से नाले का निर्माण कर उसमें आवाजाही के लिए रास्ता बनाने की मांग की है। ज्ञापन सौंपने वालों में पुष्पा बोहरा, बबीता जोशी, कमला मेहता, इंदिरा, हेमा गुंसाई, सोनी पाण्डे, मीरा तिवारी, ज्योति जोशी आदि रहीं।

पेज एक का शेष...

मोदी ने किसानों को ...की लागत से कृषि आधारभूत ढांचा फंड योजना भी शुरू की गई है, जिससे गांवों में भंडारण, शीतगृह और कृषि मंडियों को सशक्त बनाया जाएगा। कृषि के साथ-साथ पशुपालन को मजबूती देने के लिए 17 परियोजनाओं के तहत 1,166 करोड़ रुपये जारी किए गए हैं। वहीं मत्स्य पालन क्षेत्र के लिए 693 करोड़ रुपये स्वीकृत किए गए हैं। इसके अलावा, फूड प्रोसेसिंग उद्योग को बढ़ावा देने के लिए भी 800 करोड़ रुपये खर्च किए जाएंगे। प्रधानमंत्री मोदी ने किसानों के बीच प्राकृतिक खेती को लोकप्रिय बनाने की दिशा में भी सरकार की प्रतिबद्धता दोहराई। उन्होंने कहा कि पर्यावरण और स्वास्थ्य दोनों के लिए यह बेहद जरूरी है कि हम रासायनिक खेती से हटकर प्रकृति के अनुरूप खेती की ओर बढ़ें। कार्यक्रम के दौरान प्रधानमंत्री ने देश के विभिन्न हिस्सों से आए किसानों से भी संवाद किया। इस चर्चा में किसानों ने अपने अनुभव साझा किए और कृषि क्षेत्र में आ रहे सकारात्मक बदलावों के लिए प्रधानमंत्री का आभार जताया।

विवादों में घिरी....प्रारम्भिक निष्कर्षों में कहा है कि जिस केन्द्र से प्रश्नपत्र बाहर आया था वहाँ तकनीकी एवं प्रोटोकॉल से संबंधित कई अनियमितताएँ दर्ज की गईं। रिपोर्ट प्राप्त होते ही मुख्यमंत्री धामी ने निर्णय लेते हुए कहा राज्य सरकार परीक्षाओं की शुचिता, पारदर्शिता और विश्वसनीयता बनाए रखने के लिए पूर्णत: प्रतिबद्ध है। रिपोर्ट का परीक्षण करने के बाद हमने अभ्यर्थियों के हित में परीक्षा रद्द करने का फैसला लिया है। उन्होंने बताया कि मामले की सीबीआई जांच की संस्तुति पहले ही की जा चुकी है, जिससे निष्पक्षता पूरी तरह सुनिश्चित हो सके। साथ ही यह भी स्पष्ट किया कि भविष्य में ऐसी घटनाएं दोबारा न हों, इसके लिए कड़ी निगरानी और परीक्षा प्रणाली में सुधारात्मक कदम उठाए जाएंगे। इससे पहले भाजपा विधायकों के एक प्रतिनिधिमंडल ने मुख्यमंत्री से मुलाकात कर परीक्षा को छात्रहित में रद्द करने और दोबारा आयोजित कराने की मांग रखी थी। अब सरकार के इस निर्णय से युवाओं को राहत मिली है और एक पारदर्शी भर्ती प्रक्रिया की ओर कदम बढ़ाया गया है।

सर्विस ट्रिब्यूनल ने ...05 अप्रैल 2024 से निरस्त कर दिया। इस पर उपनिरीक्षक तरन्नुम सईद द्वारा अपने अधिवक्ता नदीम उद्दीन के माध्यम से उत्तराखंड लोक सेवा अधिकरण की नैनीताल पीठ में दावा याचिका दायर की। याचिका में विभागीय दण्ड के आदेश व अपील आदेश को निरस्त करके तथा उसके आधार पर रूके सेवा लाभों को दिलाने का निवेदन किया गया।याचिकाकर्ता की ओर से नदीम उद्दीन ने विभागीय जांच दण्ड आदेश व अपील आदेश को अवैध, निराधार तथा प्राकृतिक न्याय के उल्लंघन के आधार पर निरस्त होने योग्य बताया। अधिकरण के सदस्य (प्रशासनिक) कैप्टन आलोक शेखर तिवारी की पीठ ने श्री नदीम के तर्कों से सहमत होते हुये प्रकरण में दी गयी निन्दा प्रविष्टि को स्पष्ट रूप से अतिशीघ्रता में एवं मिलीभगत के सन्देह/परिकल्पना मात्र के अन्तर्गत दी गयी प्रतीत होती है तथा विधिक दृष्टिकोण से स्थिर रखे जाने योग्य नहीं माना तथा इसके आधार पर वरिष्ठ पुलिस अधीक्षक अल्मोड़ा द्वारा दिये गये दण्ड आदेश तथा आई.जी. कुमाऊं के अपील आदेश को विधि विरूद्ध मानते हुये निरस्त कर दिया। इसके साथ ही एस.एस.पी. को आदेश दिया कि वह याची की चरित्र पंजिका व अन्य अभिलेखों में दर्ज परिनिन्दा प्रविष्टि को 30 दिन के अन्दर विलुप्त करें एवं समस्त प्रमाणिक सेवालाभ अवमुक्त करते हुये तदुपरान्त अनुमन्य अन्य सेवालाभ भी प्रदान किये जायें।

नैनीसैनी एयरपोर्ट...को भी नई उड़ान मिलेगी। भारतीय विमानपत्तन प्राधिकरण द्वारा किए गए तकनीकी सर्वे के बाद विस्तारीकरण की आवश्यकता बताई गई थी। इसके बाद राज्य सरकार से सैद्धांतिक स्वीकृति मिलने के साथ ही प्रशासन ने भी अपना तकनीकी सर्वे पूरा कर लिया है। अब विस्तारीकरण से संबंधित प्रस्ताव तैयार कर शीघ्र ही शासन को भेजा जाएगा। विस्तारीकरण के लिए पर्याप्त भूमि की आवश्यकता होगी। नैनीसैनी एयरपोर्ट के आसपास उपजाऊ कृषि भूमि और कई भवन मौजूद हैं, जो विस्तारीकरण की जद में आ सकते हैं। स्थानीय ग्रामीण पहले ही अपनी उपजाऊ भूमि के बदले भूमि देने से इंकार कर चुके हैं। पूर्व में भूमि अधिग्रहण को लेकर आंदोलन भी हो चुके हैं। ऐसे में ग्रामीणों को सहमत कर भूमि अधिग्रहण करवाना प्रशासन के लिए सबसे बड़ी चुनौती होगी। नैनीसैनी एयरपोर्ट के उच्चीकरण और विस्तारीकरण से जहां सीमांत क्षेत्र का हवाई संपर्क बेहतर होगा, वहीं मुनस्यारी, चौकोड़ी, पातालभुवनेश्वर और आदि कैलाश जैसे प्रमुख पर्यटन स्थलों तक पहुंच आसान हो जाएगी। इससे न केवल पर्यटन को गति मिलेगी, बल्कि स्थानीय लोगों को रोजगार और व्यवसाय के नए अवसर भी प्राप्त होंगे।

शिक्षा के लिए ..दिया। वह अपने कागजातों के बिना अपने अग्रिम भविष्य की कोई योजना नहीं बना पा रहे हैं। गुरप्रीत का कहना है पैसा वापस मांगने पर उसे मात्र 13.25,000 रुपये ऑन लाईन द्वारा दिया। बाकी के 4,55.000 रुपये अभी तक नहीं दिये। और दोस्त मनवीर सिंह को मात्र 4 लाख रुपये ही दिये। और बाकी के 5,30,000 रुपये अभी तक नहीं दिये। बकाया पैसा मांगने पर उनके साथ अभद्र व्यवहार किया। गुरप्रीत का आरोप है उसे व उसके दोस्त को विदेश भेजने के नाम पर धोखा घडी कर करीब 10 लाख रूपए ऐंठे गये हैं, जो आज तक बापस नहीं दिए गये हैं और हमारा अनुवल लैटर आज तक नहीं दिया गया है। पुलिस ने आरोपियों के विरूद्ध मुकदमा दर्ज कर जांच शुरू कर दी है।

चोरी की 7 बाईकों ..सुनसान एक खंडहरनुमा गोदाम है जिस पर चोरों द्वारा मोटरसाइकिल चोरी करके रखी गई थी। दोनों चोर पाल नगर के निवासी बताए जा रहे हैं तथा दो अन्य का नाम और सामने आया है जिनकी तलाश की जा रही है। मोटरसाइकिल बरामद करने में वरिष्ठ उप निरीक्षक राजेंद्र प्रसाद मोनियाल, उप निरीक्षक हेमचंद तिवारी, कांस्टेबल बृजमोहन हेड कांस्टेबल कुलदीप, आदि शामिल थे।

ऑनकोप्लास्टी ने दी महिलाओं को कैंसर से जीत के साथ नई उम्मीद

अब स्तन कैंसर के बाद भी बनी रहेगी स्त्री की पहचान और आत्मविश्वास

रुद्रपुर। भारत में हर 24वीं महिला के जीवन में कभी न कभी स्तन कैंसर का खतरा रहता है। यह संख्या वाकई डराने वाली है, लेकिन अक्सर महिलाएँ इस डर से सबसे ज्यादा घबराती हैं कि "क्या मुझे अपना पूरा स्तन खोना पड़ेगा?" अच्छी खब्बर यह है कि अब ऐसा जरूरी नहीं। मैक्स सुपर स्पेशलिटी हॉस्पिटल, वैशाली के सर्जिकल ऑन्कोलॉजी (ब्रेस्ट) विभाग की सीनियर डायरेक्टर डॉ. राजिंदर कौर सग्गू ने बताया कि "ऑनकोप्लास्टी एक आधुनिक सर्जरी तकनीक है जिसमें कैंसर की गांठ को सुरक्षित रूप से पूरी तरह हटाया जाता है और साथ ही स्तन का आकार व सिमेट्री भी बनाए रखी जाती है। यानी एक ही ऑपरेशन में इलाज और सौंदर्य सुधार दोनों संभव हैं। इस तकनीक के कई फायदे हैं स्तन का आकार बिगड़ता नहीं, आत्म विश्वास बना रहता है, कैंसर का इलाज उतना ही असरदार होता है जितना पारंपरिक सर्जरी में, महिला जल्दी अपनी रोजमर्रा की जिंदगी में लौट आती है और मानसिक तनाव का खतरा भी घटता है। ऑनकोप्लास्टी का लाभ विशेष रूप से शुरुआती चरण की महिलाओं को मिल सकता है। कुछ एडवांस केसों में भी, यदि कीमोथेरेपी के बाद स्तन बचाना संभव हो, तो यह प्रक्रिया की जा सकती है। आमतौर पर इसका निर्णय विशेषज्ञों की टीम सर्जन, ऑन्कोलॉजिस्ट और प्लास्टिक सर्जन ख्र मिलकर करती है। डॉ. राजिंदर ने आगे बताया कि दिल्ली की 32 वर्षीय सीमा (बदला हुआ नाम) इसका प्रेरक उदाहरण हैं।

जब उन्हें स्तन कैंसर का पता चला, तो उनका पहला सवाल था क्या अब मैं अधूरी रह जाऊँगी? उन्हें ऑनकोप्लास्टी ब्रेस्ट सर्जरी के बारे में बताया गया। ऑपरेशन के बाद सीमा ने भावुक होकर कहा, मुझे यकीन नहीं हुआ कि मेरा स्तन बच गया और मैं पहले जैसी दिखती हूँ। कैंसर चला गया और आत्मसम्मान भी सुरक्षित रहा। आज सीमा स्वस्थ हैं और अन्य महिलाओं को जागरूक कर रही हैं। स्तन कैंसर का इलाज अब सिर्फ जान बचाने तक सीमित नहीं है। अब लक्ष्य है महिला की जिंदगी की गुणवत्ता और आत्मविश्वास को बनाए रखना ख्र और ऑनकोप्लास्टी ने यह संभव कर दिखाया है।

मीना शर्मा ने ट्रांजिट कैम्प में चलाया हस्ताक्षर अभियान

रुद्रपुर (उद संवाददाता)। प्रदेश महिला कांग्रेस कमेटी की वरिष्ठ उपाध्यक्ष श्रीमती मीना शर्मा ने कहा है कि भाजपा ने वोट चोरी कर सत्ता पर जबरदस्ती काबिज होकर लोकतंत्र की हत्या की है, जिसे कांग्रेस के कार्यकर्ता किसी भी दशा में बर्दाश्त नही करेंगे। उन्होंने कहा कि कांग्रेस आगामी चुनाव में भाजपा के खिलाफ मोर्चा खोलेगी। श्रीमती शर्मा, वोट चोर गद्दी छोड़, कार्यक्रम के तहत, नारायण कॉलोनी ट्रांजिट कैंप में कांग्रेस नेता दिनेश मौर्य के आवास पर बड़ी संख्या में आए स्थानीय लोगो को संबोधित कर रही थी। इस अवसर पर श्रीमती शर्मा ने सेकडों मतदाताओं से वोट चोर, गद्दी छोड़, कार्यक्रम के तहत, पार्टी हाईकमान द्वारा भेजे गये फॉर्म पर हस्ताक्षर करवा रही थी।

संस्थापक-स्व० हरनामदास सुखीजा एवं स्व०तिलकराज सुखीजा
स्वामित्वाधिकारी,प्रकाशक एवं मुद्रक परमपाल सुखीजा द्वारा उत्तरांचल दर्पण पब्लिकेशन्स, श्याम टाकीज रोड,रुद्रपुर,ऊधमसिंहनगर (उत्तराखण्ड)से मुद्रित एवं प्रकाशित
सम्पादक- परमपाल सुखीजा
आरएनआई नं.: UTTHIN/2002/8732 समस्त विवाद रूद्रपुर न्यायालय के अधीन होंगे।
E-mail-darpan.rdr@gmail.com,www.uttaranchaldarpan.in
फोन-245886(O)245701(Fax),9897427585,9897427586(Mob.)

शक्तिफार्म में अवैध खनन पर तहसीलदार का डंडा चला

अवैध मिट्टी खनन माफिया पर गिरी गाज, ट्रैक्टर-लोडर जब्त, भगदड़ में हड़कंप

शक्तिफार्म(उद संवाददाता)। क्षेत्र में लंबे समय से चल रहे अवैध मिट्टी खनन के खेल पर आखिरकार प्रशासन का शिकंजा कस गया। शुक्रवार की सुबह तहसीलदार हिमांशु जोशी ने राजस्व टीम और पुलिस बल के साथ अचानक छापा मारते हुए अवैध खनन में लिप्त एक ट्रैक्टर ट्रॉली और लोडर को धर दबोचा। टीम की सख्त कार्रवाई से खनन माफियाओं में हड़कंप मच गया, वहीं ग्रामीणों ने राहत की सांस ली। पूरे उत्तराखंड में फिलहाल खनन कार्य पर पूर्ण प्रतिबंध लागू है, इसके बावजूद शक्तिफार्म क्षेत्र में मिट्टी माफिया खुलेआम सरकारी आदेशों की धज्जियाँ उड़ा रहे थे। ग्रामीणों की लगातार मिल रही शिकायतों को गंभीरता से लेते हुए तहसील प्रशासन ने शुक्रवार की सुबह निर्णायक कदम उठाया। तहसीलदार हिमांशु जोशी के नेतृत्व में प्रशासनिक टीम ने ग्राम सभा निर्मल नगर और 20 क्वार्टर क्षेत्र में तड़के छापेमारी की। टीम

के पहुँचते ही मौके पर अफरातफरी मच गई। कई ट्रैक्टर ट्रॉलियाँ तेज रफ्तार में भाग निकलीं, लेकिन प्रशासनिक टीम ने सूझबूझ और तत्परता दिखाते हुए करीब दो किलोमीटर तक पीछा कर एक ट्रॉली को मिट्टी समेत काबू में कर लिया। वहीं एक लोडर को भी मौके पर जब्त कर लिया गया। तहसीलदार जोशी ने बताया कि क्षेत्र में अवैध खनन की शिकायतें लंबे समय से मिल रही थीं। उन्होंने कहा - खनन माफिया अब सावधान हो जाएँ। अवैध खनन किसी भी कीमत पर बर्दाश्त नहीं किया जाएगा। एक-एक वाहन और शामिल व्यक्तियों पर कठोर कार्रवाई की जाएगी। उन्होंने साथ ही राजस्व निरीक्षक को पूरे अवैध खनन क्षेत्र की पैमाइश और नुकसान का मूल्यांकन करने के निर्देश दिए हैं ताकि राजस्व हानि का पूरा ब्यौरा उच्च अधिकारियों को भेजा जा सके।

तेज रफ्तार ट्रॉली से ग्रामीणों में दहशत

शक्तिफार्म छापेमारी की भनक लगते ही जब्त किए गए ट्रैक्टर ट्रॉली का चालक सुरेंद्रनगर की संकरी गलियों में ट्रॉली दौड़ाते हुए भागने लगा। बेकाबू ट्रॉली की तेज रफ्तार से गलियों में भगदड़ मच गई और लोग घरों से बाहर निकल आए। प्रशासनिक टीम ने पीछा कर उसे पकड़ लिया। ग्रामीणों ने बताया कि इस तरह के खतरनाक खनन और तेज रफ्तार वाहनों से अक्सर हादसों का खतरा बना रहता है। स्थानीय लोगों ने तहसील प्रशासन की इस सख्त कार्रवाई की खुलकर सराहना की और मांग की कि क्षेत्र में नियमित गश्त और निगरानी बढ़ाई जाए, ताकि अवैध खनन पर पूर्ण विराम लगाया जा सके।

ऋतु मौर्य बनी सब इंसपेक्टर

सुल्तानपुर पट्टी(उद संवाददाता)। सुल्तानपुर पट्टी की बेटी ऋतु मौर्य का उत्तराखंड पुलिस में सब इंस्पेक्टर पद चयन हुआ है। ऋतु मौर्य ने अपने दिवंगत पिता के सपने को साकार किया है। उसने अपने पिता की इच्छा को पूरा करने के लिए कड़ी मेहनत की और पुलिस में शामिल होकर उसने उनकी यादों को जीवित रखा है। नागरिकों ने ऋतु के दरोगा बनने पर खुशी जाहिर की है। ऋतु ने भावुक होकर

सीएम धामी के सख्त नकल विरोधी अध्यादेश की सराहना की। इसी सख्त नकल विरोधी कानून के बल पर उसका चयन हो सका है। शुक्रवार भाजपा नेता राजेश कुमार, नगर पंचायत अध्यक्ष राजीव सैनी ने ऋतु मौर्य को अंग वस्त्र और फुलमालाओं से स्वागत किया। ऋतु के बड़े भाई हरीश सीआरपी में सब इंस्पेक्टर है। जबकि उनके पिता स्वर्गीय बालकिशन का छह साल पहले निधन हो चुका है। एक भाई भूपेंद्र मौर्य खेतीबाड़ी करता है। माता राजवती गृहणी है। वहां मंडल अध्यक्ष गुरमुख सिंह शिवकुमार गुप्ता, राजीव सैनी, जॉनी मौर्य, कैलाश दिवाकर, अरविंद सैनी, संजीव कुमार आदि मौजूद रहे।

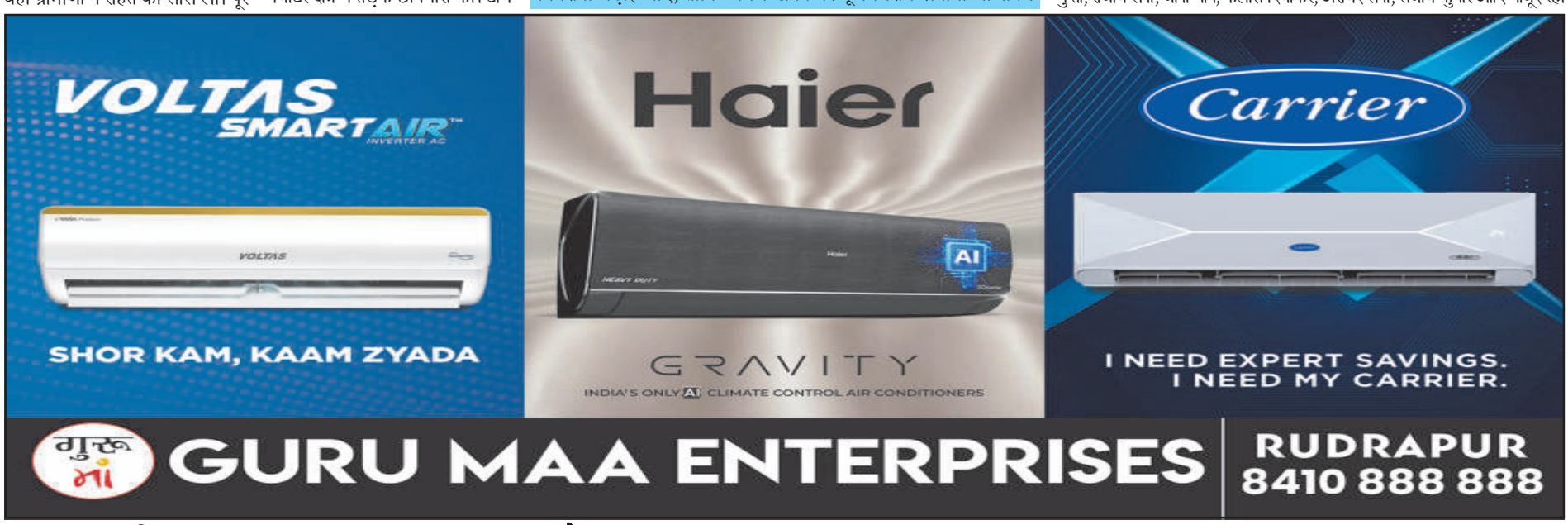

श्रद्धा के साथ मनाया करवाचौथ का पर्व

शक्तिफार्म(उद संवाददाता)।नगर में करवाचौथ का पर्व अत्यंत श्रद्धा, आस्था और हर्षोल्लास के साथ मनाया गया। सुबह से ही सुहागिन महिलाओं ने व्रत रखकर अपने पति की दीर्घायु, सुख-समृद्धि और मंगलकामना के लिए पूजा-पाठ की तैयारी शुरू कर दी। नगर के विभिन्न मोहल्लों ग्रामसभा टैगोर नगर,अरविंद नगर ,बैकुंठपुर, पड़ागांव, सुरेंद्र नगर,जेल कैंप, रुदपुर, निर्मल नगर,राज नगर,देव नगर, गुरुग्राम, तीलियापुर,आनंद नगर, बसगर, पिपलिया, जय नगर सहित मुख्य बाजार क्षेत्र में इस पवित्र पर्व की रौनक देखते ही बन रही थी। दिनभर महिलाओं ने निर्जला उपवास रखा और सोलह श्रृंगार कर शाम को चांद निकलने की प्रतीक्षा की। जैसे ही चांद की रजतमयी किरणें आसमान में झिलमिलाईं, छतों और आंगनों में महिलाओं ने सजाई हुई पूजा की थाल से चांद का दर्शन किया। छलनी से चांद देखकर पति का चेहरा निहारा और उनके दीर्घ जीवन की मंगलकामना करते हुए व्रत खोला। पति ने अपनी पत्नियों को पानी पिलाकर और मिठाई खिलाकर व्रत पूरा कराया। इस

अवसर पर घर-घर में खुशी और प्रेम का वातावरण छा गया। करवाचौथ हिंदू धर्म में पति-पत्नी के पवित्र और अटूट बंधन का प्रतीक पर्व माना जाता है। इस दिन विवाहित महिलाएं सूर्योदय से लेकर चंद्रोदय तक निर्जला उपवास रखती हैं। यह व्रत केवल पति की लंबी उम्र के लिए ही नहीं बल्कि परिवार की समृद्धि और वैवाहिक सुख की स्थिरता के लिए भी किया जाता है। शक्तिफार्म में शाम के समय हर गली-मोहल्ले की छतों पर करवाचौथ की रौनक देखने को मिली। लाल साड़ियों और चुनरियों में सजी महिलाएं थाल में दीप, रोली, चावल, जल का लोटा और मिठाई रखकर पूजा करती नजर आईं। चांद निकलते ही एक साथ पूरे नगर से आरती और गीतों की आवाज गूंज उठी" चांद ने अपनी चांदनी से कहा, आ तेरा करवाचौथ आया।" व्रत पूर्ण होने के बाद महिलाओं ने एक-दूसरे को बधाई दी और पारंपरिक व्यंजन जैसे पूड़ी, कचौड़ी, हलवा, दाल-चावल आदि का आनंद लिया। कई परिवारों ने सामूहिक रूप से रात्रिभोज का आयोजन भी किया, जिससे पूरे नगर में मिलनसार और पारिवारिक सौहार्द का वातावरण बन गया।

आवारा पशुओं को लेकर कांग्रेस ने उठाई आवाज

शक्तिफार्म(उद संवाददाता)। शक्तिफार्म नगर की बढ़ती परेशानियों से आम जनता अब तंग आ चुकी है। कभी सड़कों पर घूमते असहाय पशुओं से दुर्घटनाएँ, तो कभी गली-मोहल्लों में फैलता नशे का कारोबार लोगों का जीना मुश्किल हो गया है। इन गंभीर समस्याओं को लेकर अब कांग्रेस ने जनता की आवाज बुलंद की है। शनिवार को कांग्रेस कार्यकर्ताओं ने सितारगंज ब्लॉक अध्यक्ष उत्तम आचार्य के नेतृत्व मेंनगर पंचायत शक्तिफार्म के अधिशासी अधिकारी को दो सूत्रीय मांगपत्र सौंपा। मांगपत्र में कहा गया कि नगर में दिन-ब-दिन असहाय गोवंशीय पशुओं की संख्या बढ़ती जा रही है, जो सड़कों और गलियों में खुलेआम घूम रहे हैं। इससे आए दिन दुर्घटनाएँ हो रही हैं, और लोगों की जान खतरे में पड़ रही है। राहगीर हों या बाइक सवार , हर कोई डर के साए में चल रहा है। वहीं दूसरी ओर, नगर क्षेत्र के कई दुकानों और होटलों में अवैध शराब

व चरस जैसे नशीले पदार्थों की बिक्री खुलेआम हो रही है। इस वजह से कई युवा नशे की चपेट में आकर अपना भविष्य बर्बाद कर रहे हैं, और उनके परिवार तबाही की ओर जा रहे हैं। ब्लॉक अध्यक्ष उत्तम आचार्य ने कहा कि कांग्रेस जनता की बात सड़कों तक लेकर जाएगी। उन्होंने चेतावनी दी कि अगर प्रशासन ने तुरंत कार्रवाई नहीं की,असहाय पशुओं को गौशालाओं में नहीं भेजा गया और नशे के कारोबार पर रोक नहीं लगी , तो कांग्रेस कार्यकर्ता नगर पंचायत परिसर में धरना-प्रदर्शन करने को मजबूर होंगे। उन्होंने कहा, यह अब सिर्फ कांग्रेस का मुद्दा नहीं रहा, यह जनता की तकलीफ है। हर घर का सवाल है। प्रशासन को जनता की परेशानी समझनी होगी। इस मौके पर बड़ी संख्या में कांग्रेस कार्यकर्ता मौजूद रहे, जिनमें सुमिंदर यादव, सुकुमार चक्रवर्ती, अभिषेक साहनी, विनय विश्वास, श्रीकांत मिस्त्री, प्रदीप, दीपक मंडल, विश्वनाथ सरकार, अमित सरकार, ब्रजेन, विश्वनाथ सहित कई लोग शामिल थे।

कोली समाज की महिलाओं ने ठुकराल को दिया समर्थन

रुद्रपुर। रम्पुरा क्षेत्र में जारी राजनीतिक हलचल के बीच कोली समाज की दर्जनों महिलाओं ने पूर्व विधायक राजकुमार ठुकराल के कार्यालय पहुंचकर उन्हें अपना समर्थन और आशीर्वाद प्रदान किया। महिलाओं ने कहा कि कोली समाज की मातृशक्ति पूरी तरह से ठुकराल के साथ खड़ी है। इस दौरान महिलाओं ने कहा

कि जिस प्रकार ठुकराल वर्षों से समाज के हर वर्ग के साथ खड़े रहे हैं, उसी विश्वास के साथ आज समाज उनकी पीठ पर हाथ रख रहा है। पूर्व विधायक राजकुमार ठुकराल ने समर्थन के लिए कोली समाज की महिलाओं का आभार जताया और कहा कि उनका राजनीतिक जीवन कोली समाज के स्नेह और आशीर्वाद से ही आगे बढ़ा है। उन्होंने कहा कि रम्पुरा क्षेत्र और यहां के लोगों के हितों से कोई समझौता नहीं होने दिया जाएगा।इस दौरान कांति देवी कोली, माया कोली, विद्यारानी कोली, सुनीता कोली, उर्मिला कोली, लक्ष्मी कोली, रानी कोली, अनीता कोली, राजरानी कोली के अलावा आनंद शर्मा, राजू गुप्ता, शिव कुमार शिब्बू, ललित सिंह बिष्ट, केरू मंडल, राजीव गुप्ता सहित अन्य लोग भी उपस्थित थे।